निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 • DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 • वर्ष-21 • 01 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक • अंक -1,2 • पृष्ठ-8 • मूल्य-10रू

मुख्यमंत्री ने किया पंजाबी बाग फ्लाईओवर का लोकार्पण, जाम से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने पंजाबी बाग क्लब रोड फ़्लाईओवर का लोकार्पण किया। इस 1.12 किलोमीटर लंबे छह लेन के फ़्लाईओवर से आजादपुर से राजा गार्डन जाने वाले सभी दिल्लीवासियों को जाम से मुक्ति मिलेगी। इस अवसर पर आतिशी ने कहा कि किसी भी देश का आर्थिक विकास तब होता है, जब वो अपने रोड इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करता है। अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में आम आदमी पार्टी सरकार ने पिछले 10 साल में दिल्ली में 39 फ़्लाईओवर और अंडरपास बनाकर दिल्ली के विकास को रफ़्तार दी है। पिछले 10 वर्षों में शहर में बुनियादी ढांचे का विकास तेज गति से हुआ है। शहर में इस दौरान कई एलिवेटेड रोड, फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया गया। यह नया फ्लाईओवर आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत दिलाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार तीन लाल बत्ती को पार करने वाले इस फ्लाईओवर के खुलने से करीब तीन लाख लोगों को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्य फ्लाईओवर, छह लेन वाला 1.12 किलोमीटर लंबा है, जो ईएसआई मेट्रो स्टेशन और क्लब रोड के बीच है और एक बड़े कॉरिडोर पुनर्विकास योजना का हिस्सा है। मार्च 2024 मेंकॉरिडोर के एक खंड का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किया था। सड़क का यह हिस्सा रोहतक रोड (एनएच-10) से जुड़ता है, जिसके माध्यम से हरियाणा से यातायात चलता है। मुख्यमंत्री ने कहा, हर कुछ वर्षों में, एक अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण दुनिया की सबसे भीड़भाड़ वाली सड़कों की रैंकिंग करता है। 2014-15 में आम आदमी पार्टी की सरकार आने से पहले दिल्ली दुनिया भर में चौथा सबसे भीड़भाड़ वाला शहर था। हालांकि, हमारी सरकार द्वारा किए गए काम मसलन सड़कें, फ्लाईओवर, अंडरपास और एलिवेटेड कॉरिडोर बनाना और सड़क डिजाइन में सुधार करके बाद दिल्ली वर्तमान में 44वें स्थान पर आ गई है। इसका मतलब है ट्रैफिक जाम कम हो गया है, जिससे यात्रियों के लिए यह आसान हो गया है।

दिल्ली की हवा फिर हुई बेहद खराब, ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर एक बाड़ फिर खराब श्रेणी में पहुंच गया है। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 370 के पार दर्ज किया गया। इसे देखते हुए केंद्रीय प्रदूषण निगरानी संस्था वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप)3 की पाबंदियां तुरंत प्रभाव से लागू करने का फैसला किया है। ग्रैप 3 की पाबंदियां लागू होते ही दिल्ली में निर्माण और तोड़फोड़ गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। सीएक्यूएम के आदेश के मुताबिक नियमों के अनुसार जब एक्यूआई 350 के पार चला जाता है तो ग्रैप-3 की पाबंदियां लगाई जाती हैं। एक्यूआई के 400 के पार पर ग्रैप चार की पाबंदियां लागू की जाती हैं। शुक्रवार को सीएक्यूएम की उपसमिति की आपात बैठक की गई, जिसमें ग्रैप-3 को लागू करने का फैसला किया गया। ग्रैप 1 और 2 की पाबंदियां पहले से ही लागू हैं। ग्रैप के तीसरे चरण के तहत एनसीआर राज्यों से सभी अंतरराज्यीय बसों अन्य बसें दिल्ली में प्रवेश नहीं कर पाएंगी। दिल्ली एनसीआर में अब निर्माण और विध्वंसक गतिविधियों पर पूरी तरह से सख्त प्रतिबंध लग गया है। अब खनन संबंधी गतिविधियों पर अगले आदेश तक रोक है। कक्षा 5 तक के छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाओं पर विचार किया जा सकता है। दिल्ली की प्रमुख सड़कों पर शुक्रवार से रोजाना पानी का छिड़काव किया जाएगा। जीआरएपी के तीसरे चरण के तहत दिल्ली और गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर जिलों में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों के चलने पर प्रतिबंध रहेगा।

प्रधानमंत्री का केजरीवाल पर तंज, कहा- मैं भी 'शीश महल' बनवा सकता था, लेकिन 4 करोड़ लोगों को घर देकर उनके सपने पूरे किए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आम आदमी पार्टी सरकार को 'आप-दा' की संज्ञा देते हुए कहा कि पिछले 10 सालों से राष्ट्रीय राजधानी आपदा से घिरी हुई है। उन्होंने दिल्लीवालों से इसे बदलने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री अशोक विहार में झुग्गी-झोपड़ी वालों के लिए बनवाए गए स्वाभिमान अपार्टमेंट में 1,675 फ्लैट की चाबी लाभार्थियों को सौंपने के बाद रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में रिमोट का बटन दबाकर राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों को 4500 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का तोहफा दिया। इसमें जेजे क्लस्टर के निवासियों के लिए 1,675 फ्लैट, स्कूल और कॉलेजों से जुड़े प्रोजेक्ट हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश अच्छी तरह जानता है कि मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं बनाया। मैं भी अपने लिए शीश महल बनवा सकता था, लेकिन पिछले 10 सालों में मैंने 4 करोड़ से ज्यादा लोगों को घर देकर उनके सपने पूरे किए हैं। प्रधानमंत्री ने झुग्गी के बदले फ्लैट पाने वालों से अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि स्वाभिमान अपार्टमेंट गरीबों के स्वाभिमान को बढ़ाने वाला है। उनका कहा कि झुग्गी के बदले फ्लैट पाने वाले भले ही दिल्ली के अलग-अलग स्थानों के हैं लेकिन वे सभी मोदी का परिवार हैं। आआपा प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अन्ना हजारे को आगे रखकर कुछ 'कट्टर बेईमान' लोगों ने राष्ट्रीय राजधानी को 'आपदा' की ओर धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली पर एक 'आप-दा' की तरह आई है। ये लोग खुलेआम भ्रष्टाचार करते हैं और इसका जश्न भी मनाते हैं। ये और कुछ नहीं, 'चोरी, ऊपर से सीनाजोरी' है। दिल्ली पर 'आपदा' का संकट आ गया है। इसलिए दिल्ली के लोगों ने इस आपदा के खिलाफ जंग छेड़ दी है। दिल्ली एक सुर में कह रही है, 'आपदा को नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे'। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली के मतदाताओं ने दिल्ली को इस आपदा से मुक्त करने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला ये लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग आप-दा बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली वालों ने आप-दा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है। दिल्ली का वोटर, दिल्ली को आप-दा से मुक्त करने की ठान चुका है। वो कह रहा है- आप-दा को नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बन चुका है। 2025 में भारत की ये भूमिका और भी मजबूत होगी। ये साल दुनिया में भारत की स्थिति को और मजबूत करने का साल होगा। ये साल भारत को दुनिया के सबसे बड़े मैन्यूफैक्चरिंग सेंटर में से एक बनाने का साल होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अशोक विहार आने से उनकी पुरानी यादें ताजा हो गईं।

राहुल गांधी का देश के नाम पत्र, संविधान और मनुस्मृति पर भाषण और मनमोहन सिंह का ज़िक्र

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपना न्यूजलेटर रिलीज किया है, इसमें 11 से 31 दिसंबर तक की घटनाओं का जिक्र किया है। इसके अलावा संसद में संविधान और मनुस्मृति पर राहुल गांधी के भाषण, उससे जुड़े घटनाक्रम के बारे में भी लिखा गया है। पत्र में राहुल गांधी ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को अपना गुरु और सलाहकार बातकर कहा, डॉ. सिंह ने भारत का नेतृत्व अत्यंत बुद्धिमत्ता और सत्यनिष्ठा के साथ किया। उनके नेतृत्व में अर्थव्यवस्था आगे बढ़ी और करोड़ों भारतीयों को गरीबी से बाहर निकालते हुए एक समृद्ध मध्यम वर्ग का निर्माण किया। वह हमेशा हमारे दिलों में रहने वाले है। देश ने अपने बड़े नेता के साथ, मैंने भी अपना गुरु और सलाहकार खो दिया है। राहुल गांधी ने पत्र में संविधान और मनुस्मृति के बीच चल रही लड़ाई पर बात की। पत्र में राहुल के बयान का जिक्र किया गया, जिसमें द्रोणाचार्य ने एकलव्य का अंगूठा लिया, वैसे ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश के युवाओं का भविष्य छीन रही है।

यह पत्र केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा राज्यसभा में बाबासाहेब अंबेडकर के कथित अपमान करने को लेकर उनके इस्तीफे की मांग का भी जिक्र है। इसके अलावा राहुल गांधी के महाराष्ट्र के परभणी दौरे का भी जिक्र कर लिखा है, राहुल ने संविधान की रक्षा करते हुए मारे गए सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार को श्रद्धांजलि और बहादुर बेटे को खोने वाले परिवार से अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। पत्र में महंगाई की चर्चा करते हुए इस पर खास फोकस किया है।

शंभू से फिर दिल्ली कूच की तैयारी

पटियाला। शंभू बॉर्डर पर डटे किसानों ने फिर दिल्ली कूच की तैयारी कर ली है। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने अपील की है कि किसान ट्रैक्टर-ट्रालियां लेकर बड़ी संख्या में शंभू बॉर्डर पर पहुंचना शुरू करें। जल्द ही दिल्ली कूच के लिए तारीख का एलान किया जाएगा। वहीं संयुक्त किसान मोर्चा ने सुप्रीम कोर्ट की हाई पावर कमेटी का निमंत्रण ठुकरा दिया है। पंधेर ने बताया कि 6 जनवरी को गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व शंभू बॉर्डर पर मनाया जाएगा। बॉर्डर के नजदीक पड़ते गांवों के लोगों के साथ-साथ किसानों को भी ज्यादा से ज्यादा गिनती में इस धार्मिक समागम में शिरकत करने की अपील की गई है।

पंधेर ने बताया कि बैठक में दोनों मोर्चों के फैसले के मुताबिक सरकार से विधानसभा सत्र में मंडियों के निजीकरण की केंद्र की नीति को रद्द करने संबंधी प्रस्ताव लाने की मांग की गई है। सरकार किसानों की 12 मांगों के समर्थन में भी प्रस्ताव पास करे।

किसानों ने नहीं मनाया नए साल का जश्न – पंधेर ने आगे कहा कि जहां पूरी दुनिया नए साल का जश्न मना रही है, वहीं किसान अपने परिवारों से दूर कड़ाके की ठंड में बॉर्डरों पर डटे हुए हैं। किसानों के लिए कोई नया साल नहीं है। जब उनके नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल आमरण अनशन पर हैं और उनकी हालत लगातार नाजुक बनी हुई है। केंद्र सरकार लगातार मांग के बावजूद मांगों को लेकर बातचीत करने की दिशा में कदम नहीं बढ़ा रही है। इस अवसर पर किसान नेता जसविंदर सिंह लोंगोवाल, तेजबीर सिंह पंझोखरा साहब, मलकियत सिंह गुलामीवाला, बीबी सुखविंदर कौर, जंग सिंह भटेड़ी, गुरध्यान सिंह भटेड़ी, मनजीत सिंह राय, दिलबाग सिंह गिल, बलवंत सिंह बहरामके, सतनाम सिंह, सुखचैन सिंह हरियाणा, बलकार सिंह बैस आदि मौजूद रहे।

खनौरी में तीन बैठकें बेनतीजा

खनौरी बॉर्डर पर किसानों व पुलिस प्रशासन के बीच बुधवार को तीन बैठकें हुईं, लेकिन कोई नतीजा निकल नहीं पाया। बैठक के बाद किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने बताया कि बैठकें सकारात्मक माहौल में हुई हैं।

आंदोलन के विभिन्न पहलुओं को लेकर विचार चर्चा की गई है। प्रशासन की तरफ से कुछ प्रस्ताव भी आए हैं, लेकिन ठोस प्रस्ताव मिलने पर ही किसान संगठन आगे कोई फैसला लेंगे।

दक्षिणी दिल्ली से भाजपा के विधयाक पद के उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी जी दिल्ली क्राइम के ब्रांच ऑफिस गोविंद पुरी मे

आज दिल्ली क्राइम के ब्रांच ऑफिस गोविंद पुरी मे दक्षिणी दिल्ली भाजपा के रजनीतिज्ञ, वकील, और भजपा के पूर्व दो बार चुने सांसद, तीन बार विधान सभा सदस्य के रूप मे कार्य कर चुके है जो एक बार और नामांकित है, विद्यायक पद के प्रबल उम्मीदवार रमेश बिधूढ़ी जी पधारे और उन्होंने अपने विचार और चुनाव की अपनी तैयारी के बारे मे अवगत कराया और जनता जनार्दन की परेशानी सुनी और उनको दूर करने और उन पार काम करने के अपनी रणनीति को साँझा किया।

फेम-II योजना के तहत 16.15 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों को दिया गया प्रोत्साहन : सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण (फेम इंडिया)-II योजना के तहत कुल 16.15 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को प्रोत्साहित किया है। इसमें 14.27 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन (ई-2डब्ल्यू), 1.59 लाख ई-3डब्ल्यू, 22,548 ई-4डब्ल्यू और 5,131 ई-बसें शामिल हैं। भारी उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि सरकार ने हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाने और विनिर्माण (फेम-इंडिया) योजना के पहले चरण की शुरूआत 1 अप्रैल, 2015 से 2 साल की अवधि के लिए की गई थी। इस योजना के सफल कार्यान्वयन के बाद, दूसरे चरण यानी फेम-II को वर्ष 2019 में 11,500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ शुरू किया गया था, ताकि दो, तीन और चार पहिया वाहनों, इलेक्ट्रिक बसों और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों (पीसीएस) सहित इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया जा सके। मंत्रालय ने कहा कि इस योजना के उद्देश्य की पूर्ति के लिए 31 अक्टूबर, 2024 तक कुल 8,844 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इसमें सब्सिडी के लिए 6,577 करोड़ रुपये, पूंजीगत परिसंपत्तियों के लिए 2,244 करोड़ रुपये और अन्य खर्चों के लिए 23 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके तहत कुल 16.15 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित किया गया है, जिसमें 14.27 लाख ई-2डब्ल्यू, 1.59 लाख ई-3डब्ल्यू, 22,548 ई-4डब्ल्यू और 5,131 ई-बसें शामिल हैं। इसके अलावा 10,985 ईवी पीसीएस स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 8,812 ईवी पीसीएस स्थापना के लिए आवंटित किए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार ने आम जनता को किफायती और पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन का विकल्प उपलब्ध कराने पर अधिक जोर देने के लिए कई पहल कर रही है। इस दिशा में, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मांग प्रोत्साहन के माध्यम से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए इस योजना के तहत चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम को शामिल किया गया है। इसने महत्वपूर्ण नीतिगत पहलों का समर्थन किया है, जैसे कि ईवी पर जीएसटी कम करना और राज्यों की ईवी नीतियों को सक्षम बनाना, जो भारत के सतत गतिशीलता में परिवर्तन में योगदान देता है।

बेलोन मंदिर: बुलंदशहर जिले में बेलोन मंदिर बेलोन गांव में स्थित है, यह मंदिर सर्व मंगला देवी को समर्पित है

प्रमुख पुजारी : पंडित नरेश कुमार शर्मा

जिसे सुख की देवी माना जाता है। हर पृष्ठभूमि के लोग मंदिर में देवी का दर्शन कर आशिर्वाद लेने आते हैं। इस देवी मंदिर की बहुत 'मानता' है गांव.मुख्य मार्ग से जुड़ा नही होने के बावजूद गॉव मे पहुंचते ही गॉव के गुलजार होने का एहसास होता है.साल भर यात्रियों की भीड़ भाड़ यहाँ रहती है, विशेषकर नवरात्र (कार्तिक, चैत्र) में बड़ी संख्या मे श्रद्धालु मां का आशीर्वाद लेने आते हैं। गॉव की आध्यात्मिक माहौल एक अजीब सी शांति देता है। दरसल यह गॉव मशहूर है सर्व मंगला देवी को समर्पित बेलोन मंदिर जिन्हें, सुख की देवी माना जाता है। सुख, संतोष की तलाश मे यहा श्रद्धालुओ का तॉता लगा रहता है। समाज के हर तबके के लोग मंदिर में देवी का दर्शन कर आशीर्वाद लेने आते हैं। मंदिर बेलोन गांव में स्थित है।

मंदिर का इतिहास – सर्वमंगला मां बेलोन भवानी शक्तिपीठ के बारे में प्राचीन गर्ग संहिता में भी उल्लेख है। कहा जाता है कि एक बार मां पार्वती ने भगवान शिव से समस्त धर्मग्रंथों के महत्व जानने की इच्छा प्रकट की। इतना सुनकर भगवान शिव ने मां पार्वती से कहा कि हे देवी गंगा किनारे स्थित वृद्धकेशी सिद्धपीठ वर्तमान में नरवर से चार मील दूर विल्वकेश वन वर्तमान में बेलोन है तुम वहां जाओ। कलयुग में तुम्हें इन समस्त ग्रंथों के महत्व का पूर्ण ज्ञान होगा। इसके बाद मां पार्वती बेलोन में पत्थर की मूर्ति के रूप में प्रतिष्ठित हो गई। एक रात्रि मां ने ग्वालियर नरेश को स्वप्न में दर्शन देकर अपने पत्थर रूप में प्रतिष्ठित होने की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने मां के मंदिर का निर्माण कराया। सर्वमंगला माँ बेला भवानी शक्तिपीठ बेलौन मंदिर में प्रतिदिन प्रातः एवं संध्या कालीन आरती के बाद ही मां के दर्शनों के लिए पट खोले जाते हैं। नवरात्रि में त्रयोदशी के दिन मां के भवन का विशेष श्रंगार होता है। हरे नारियल की भेंट चढ़ाई जाती है। रात्रि बेला में हवन होता है।

दिल्ली चुनाव के घोषणा पत्र में मंदिरों के पुजारियों के लिए सम्मान राशि का मुद्दा भी शामिल करे भाजपा : विहिप

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से आग्रह किया है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए जारी होने वाले उसके घोषणा पत्र में दिल्ली के समस्त मंदिरों के पुजारियों एवं अर्चकों के लिए प्रति माह सम्मान राशि प्रदान करने का मुद्दा भी शामिल किया जाए। विहिप दिल्ली प्रांत के मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को गुरुवार को पत्र लिखकर कहा कि दिल्ली के सभी मंदिरों के समस्त पुजारियों एवं अर्चकों को सम्मान राशि प्रदान करने की मांग विहिप लंबे समय से कर रही है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने विधानसभा चुनाव से ठीक कुछ दिनों पहले विहिप की इस बहुप्रतीक्षित मांग के अनुसार अर्चकों एवं पुजारियों को हर महीने सम्मान राशि देने की घोषणा की है। गुप्ता ने पत्र में लिखा कि आआपा सरकार की ये घोषणा महत्वहीन और अधूरी है। न तो इसमें आर्य समाज के शास्त्रियों की चर्चा है न इसमे इस्कॉन मंदिर के पुजारियों की चर्चा है और न इसमें जैन स्थानक की चर्चा है। विहिप के जमीनी कार्यकताओं की जानकारी के अनुसार आआपा दिल्ली में चुनाव हार रही है इसलिए उनकी इस घोषणा का अब कोई महत्व नहीं है। 10 वर्षों तक सरकार में रहने के बावजूद उन्होंने हमारे अर्चक और पुजारी की कोई सुध नहीं ली, अब जब चुनाव नजदीक है और उनको अपनी हार दिखाई दे रही है तो वे इस तरह की महत्वहीन घोषणाएं कर रहे हैं। विहिप ने पत्र में लिखा है कि चुनाव पूर्व जारी होने वाले भाजपा के घोषणा पत्र में पुजारी, अर्चक और आर्य समाज के शास्त्री, जैन स्थानक के अर्चक, इस्कान के अर्चक आदि जो इस प्रकार से कहीं न कहीं, किसी न किसी मठ, मंदिर या आश्रम में भगवान की पूजा-अर्चना में सहयोगी हैं, उन सबके लिए हर महीने सम्मान राशि देने की घोषणा की जाए। भाजपा की सरकार बनने पर उसे पूर्ण करें। उन्होंने लिखा कि विहिप इस विषय पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं करना चाहती और ना ही चाहती है कि अलग-अलग राजनीतिक दल इस पर राजनीति करें। हमारे श्रद्धा के योग्य पुजारी और अर्चक का सम्मान किसी भी राजनीति की भेंट नहीं चढ़नी चाहिए। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर हमारे पुजारी और अर्चकों का पूर्ण सम्मान दिए जाने का आश्वासन दिया जाए।

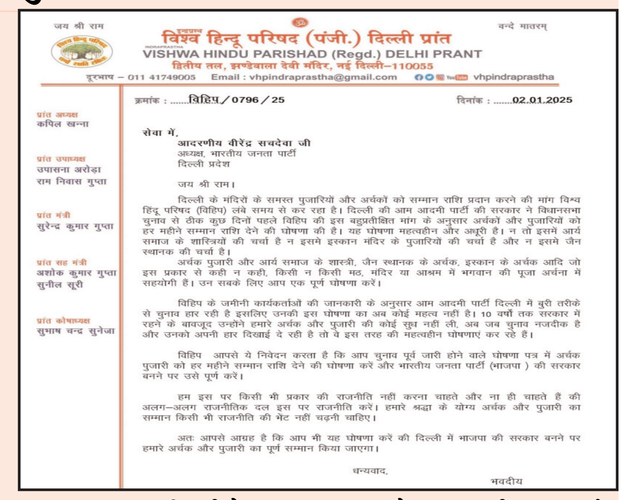

जय श्री राम — वन्दे मातरम्

विश्व हिन्दू परिषद (पंजी.) दिल्ली प्रांत
VISHWA HINDU PARISHAD (Regd.) DELHI PRANT
द्वितीय तल, झण्डेवाला देवी मंदिर, नई दिल्ली–110055
दूरभाष – 011 41749005 Email : vhpindraprastha@gmail.com vhpindraprastha

क्रमांक : ......विहिप/0796/25 — दिनांक : 02.01.2025

प्रांत अध्यक्ष: कपिल खन्ना
प्रांत उपाध्यक्ष: उपासना अरोड़ा, राम निवास गुप्ता
प्रांत मंत्री: सुरेन्द्र कुमार गुप्ता
प्रांत सह मंत्री: अशोक कुमार गुप्ता, सुनील सूरी
प्रांत कोषाध्यक्ष: सुभाष चन्द सुनेजा

सेवा में,
आदरणीय वीरेंद्र सचदेवा जी
अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी
दिल्ली प्रदेश

जय श्री राम।

दिल्ली के मंदिरों के समस्त पुजारियों और अर्चकों को सम्मान राशि प्रदान करने की मांग विश्व हिंदू परिषद (विहिप) लंबे समय से कर रहा है। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने विधानसभा चुनाव से ठीक कुछ दिनों पहले विहिप की इस बहुप्रतीक्षित मांग के अनुसार अर्चकों और पुजारियों को हर महीने सम्मान राशि देने की घोषणा की है। यह घोषणा महत्वहीन और अधूरी है। न तो इसमें आर्य समाज के शास्त्रियों की चर्चा है न इसमे इस्कान मंदिर के पुजारियों की चर्चा है और न इसमे जैन स्थानक की चर्चा है।

अर्चक पुजारी और आर्य समाज के शास्त्री, जैन स्थानक के अर्चक, इस्कान के अर्चक आदि जो इस प्रकार से कही न कही, किसी न किसी मठ, मंदिर या आश्रम में भगवान की पूजा अर्चना में सहयोगी हैं। उन सबके लिए आप एक पूर्ण घोषणा करें।

विहिप के जमीनी कार्यकर्ताओं की जानकारी के अनुसार आम आदमी पार्टी दिल्ली में बुरी तरीके से चुनाव हार रही है इसलिए उनकी इस घोषणा का अब कोई महत्व नहीं है। 10 वर्षों तक सरकार में रहने के बावजूद उन्होंने हमारे अर्चक और पुजारी की कोई सुध नहीं ली, अब जब चुनाव नजदीक है और उनको अपनी हार दिखाई दे रही है तो वे इस तरह की महत्वहीन घोषणाएं कर रहे हैं।

विहिप आपसे ये निवेदन करता है कि आप चुनाव पूर्व जारी होने वाले घोषणा पत्र में अर्चक पुजारी को हर महीने सम्मान राशि देने की घोषणा करें और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने पर उसे पूर्ण करें।

हम इस पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं करना चाहते और ना ही चाहते है की अलग–अलग राजनीतिक दल इस पर राजनीति करें। हमारे श्रद्धा के योग्य अर्चक और पुजारी का सम्मान किसी भी राजनीति की भेंट नहीं चढ़नी चाहिए।

अतः आपसे आग्रह है कि आप भी यह घोषणा करें की दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर हमारे अर्चक और पुजारी का पूर्ण सम्मान किया जाएगा।

धन्यवाद,
भवदीय

सम्पादकीय

नेहरू को छोटा करने की नहीं, उनके काम से होड़ करने की जरूरत

देश में आज विकास को लेकर नए-नए नरेटिव गढ़ने के अलावा इतिहास के पन्नों को कलंकित करने का चलन चल पड़ा है। संगठित रूप से आजादी के बाद की सरकारों के कामकाज और योगदान को नीचा दिखाने की आक्रामक कोशिशें हो रही.हैं। नई पीढ़ी में शोध के अभाव को देखकर उसे बरगलाने की चेष्टा की जा रही है।देश को उसके सही स्वरूप में पहचान कर देश के विकास की यात्रा की समझ और विकास की कल्पना को चोट पहुंचाई जा रही है। जिससे वास्तविक इतिहास को जानने से ही रोका जा सके। देश के नेताओं को सुविधानुसार मिस कोट किया जा रहा है। मध्य प्रदेश में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के दौरान ऐसी ही बातें रखी गई जिससे महसूस हो कि जवाहरलाल नेहरू के समय से ही विकास की योजनाओं की उपेक्षा की गई। यहां तक कहा गया कि देश में बड़े-बड़े बांध बनाने और जल संरक्षण को समझने का काम देश में अन्य लोगों ने किया है। जल संसाधनों के संदर्भ में प्रधानमंत्री जी ने घुमाकर यह भी बताया कि जलशक्ति को मजबूत करने के दूसरे नेताओं के प्रयासों को जवाहरलाल नेहरू के नाम पर चिपका दिया गया। क्या इस तरह का नेरेटिव बनाया जाना उचित है। क्या यह सत्य है या महज नेहरू जी को नीचा दिखाने और संसद में बाबासाहब का उपहास करने से पैदा हुए संकट से निकलने के लिये भाजपा की रणनीति है। इसे समझने के लिए बेहतर होगा कि हम देश में जल संरचनाओं के इतिहास को जानें और समझें। सभी जानते हैं कि डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की मृत्यु 1956 में हो गई थी और वह नेहरू जी के मंत्रिमंडल में कानून मंत्री थे उनकी पूरी शक्ति संविधान की ड्राफ्टिंग, संविधान सभा के सभी सदस्यों के योगदान का संकलन कर संविधान को उसका स्वरूप देना था। न कि बांध बनवाना। तब भाजपा 2024 में बनने वाले दुहान बांध के बहाने युग पुरुषों को लड़वाने का नया काम क्यों शुरू कर रही है। भारत में नदियों को बांधने का इतिहास बहुत पुराना है। देश का सबसे पुराना बांध तमिलनाडु की कावेरी नदी पर बनाया गया था। जिसे कल्लणै बांध कहते हैं। इसे 150 ईश्वी से 100 ईश्वी के बीच में चोल राजा करिकल ने बनवाया था। इसका अर्थ है कि नदियों को बांधने और जल संरचनाओं को बचाने तथा संरक्षित करने के लिए भारत में बांध बनाने की तकनीकी और संकल्प शक्ति हजारों साल पहले ही आ चुकी थी। आजादी के पहले भी मैसूर के राजा कृष्णा वाडियार ने कृष्ण राजा सागर बांध का 1911 में निर्माण शुरू किया था जिसे 1932 में मैसूर की जनता को समर्पित किया गया। इसके बाद ही आजादी के बाद बने बांधों का सिलसिला शुरू होता है। आजादी के प्रथम वर्ष में भारत का कुल बजट मात्र 184 करोड़ रुपए था और पूरे देश में भुखमरी की स्थिति थी ।1943 में ही बंगाल के दुर्भिक्ष में 30 लाख लोग भूख से अपनी जान गँवा चुके थे। भुखमरी के इन हालातों में देश को आजादी मिली थी। यह स्पष्ट था कि खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ाये बिना हम अपने लोगों का पेट नहीं भर सकते। उसके लिए सिंचाई चाहिए, नदियों पर बांध चाहिए किंतु हमारे पास धन भी नहीं था। ऐसे हालातों में भी 1947 में ही जवाहरलाल नेहरू ने उड़ीसा की महानदी पर हीराकुंड बांध की शुरूआत की, जिसे 1957 में देश को समर्पित किया गया। इस बांध से 47 लाख एकड़ फीट जल संग्रहण और 347 मेगावाट बिजली का उत्पादन हुआ। इसके तत्काल बाद 1948 में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने तमिलनाडु में भवानी सागर बांध का शिलान्यास किया जो 1955 में पूरा हुआ। यह एक अर्दन डेम था जिसके माध्यम से 16 मेगावाट बिजली भी पैदा की जानी थी। इसी तरह पंजाब में सतलज नदी पर 1948 में ही भाखड़ा नंगल बांध की नींव डाली गई। यह उस समय तक का सबसे बड़ा बांध था जिसमें 75 लाख एकड़ फीट जल संग्रहण होना था और 1325 मेगावाट बिजली का उत्पादन होना था। जब 1963 में यह बांध देश को समर्पित किया गया तो इसके माध्यम से हरित क्रांति का आगाज हुआ। मैक्सिकन लाल गेहूं पर निर्भर भारत की जनता देशी खाद्यान्न की आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी। कर्नाटक की तुंगभद्र नदी पर 1949 में कंपोजिट स्पिल वे डेम का शिलान्यास जवाहरलाल नेहरू ने किया जो 1953 में पूर्ण हुआ। इससे 127 मेगावाट बिजली का निर्माण होता था ।

– नरेंद्र कुमार

आधुनिक भारत की आर्थिक क्रांति के सूत्रधार थे मनमोहन सिंह

लेखक- योगेश कुमार गोयल

देश के आर्थिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारत के 14वें प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के निधन के साथ ही एक ऐसे नेता के युग का अंत हो गया, जिसने आधुनिक भारत के आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मनमोहन सिंह ने 92 वर्ष की उम्र में 26 दिसंबर की रात दिल्ली के एम्स अस्पताल में अंतिम सांस ली। अपने शांत स्वभाव और बौद्धिक कौशल के लिए जाने जाने वाले मनमोहन सिंह ने भारत में ऐतिहासिक आर्थिक उदारीकरण की शुरूआत करने में अहम भूमिका निभाई थी। 1991 में व्यापक सुधारों का श्रेय उन्हें ही दिया जाता है, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को खोला, तथाकथित लाइसेंस-परमिट राज को खत्म किया और वैश्विक मंच पर भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनने के मार्ग पर मजबूती से स्थापित किया। एक शिक्षाविद, अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ के रूप में उनकी यात्रा न केवल प्रेरणादायक रही बल्कि उनके द्वारा किए गए आर्थिक सुधारों और राजनीतिक निर्णयों ने भारत के इतिहास में एक नई दिशा दी। उन्हें आधुनिक भारत के आर्थिक सुधारों का वास्तुकार भी कहा जाता है। डा. मनमोहन सिंह ने जुलाई 1991 में अपने बजट भाषण के अंत में कहा था कि दुनिया की कोई भी ताकत उस विचार को नहीं रोक सकती, जिसका समय आ गया है, मैं इस सम्मानित सदन को सुझाव देता हूं कि भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है। मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने आर्थिक विकास में उल्लेखनीय वृद्धि की। 2004 से 2014 तक भारत 10वें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई थी। मनमोहन सिंह ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक अभूतपूर्व विकास और वृद्धि की दिशा में देश को नेतृत्व प्रदान किया। उनके द्वारा किए गए प्रमुख सुधारों में उदारीकरण के तहत लाइसेंस राज की समाप्ति और व्यवसाय शुरू करने के लिए सरल प्रक्रियाओं का निर्माण, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के दरवाजे खोलना और विदेशी व्यापार को प्रोत्साहित करना, कर ढ़ांचे को सरल और पारदर्शी बनाना, भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बाजार पर आधारित सुधार लागू करना, ग्रामीण रोजगार और गरीबी उन्मूलन के लिए मनरेगा लागू करना शामिल हैं। इन सुधारों ने भारत को आर्थिक संकट से बाहर निकाला और उसे विश्व अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित किया। भारत ने डा. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान ऐतिहासिक वृद्धि दर देखी, जो औसतन 7.7 प्रतिशत रही और उसी के परिणामस्वरूप भारत करीब दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में सफल रहा था। उन्हें न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री रहे, जिन्हें न केवल उन कार्यों के लिए स्मरण किया जाता रहेगा, जिनके जरिये उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया जाएगा।

उन्होंने न केवल आर्थिक विकास की गति को बनाए रखा बल्कि सामाजिक और विकासशील नीतियों पर भी जोर दिया। हालांकि उनका कार्यकाल आलोचनाओं से भी अछूता नहीं रहा। अपने दूसरे कार्यकाल में उन्हें आर्थिक चुनौतियों और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा और निर्णय लेने में धीमापन उनकी सरकार के लिए नकारात्मक साबित हुए। 2जी घोटाला उनके कार्यकाल के सबसे बड़े विवादों में से एक रहा। इसके अलावा कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाले को कोलगेट के नाम से जाना गया। उनके दूसरे कार्यकाल में आर्थिक सुधारों की गति धीमी रही। 22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक दो बार भारत के प्रधानमंत्री रहे डा. मनमोहन सिंह की छवि बेहद कम बोलने वाले और शांत रहने वाले व्यक्ति की रही। हालांकि जब भी वे कुछ बोलते थे, वह सुर्खियां बन जाती थी।

मनमोहन सिंह ने ही कहा था कि राजनीति में लंबे समय तक कोई दोस्त या दुश्मन नहीं होता। वह कहा करते थे कि मैं एक खुली किताब की तरह हूं और मेरे दस वर्ष का कार्यकाल इतिहासकारों के मूल्यांकन का विषय है। उन्होंने 27 अगस्त 2012 को संसद में कहा था कि हजारों जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी है, जिसने न जाने कितने सवालों की आबरू रखी। डा. मनमोहन सिंह को उनके अलोचकों द्वारा मूक प्रधानमंत्री की संज्ञा दी जाती थी लेकिन उन्होंने आमतौर पर इस पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी। इस पर उनकी पहली प्रतिक्रिया दिसंबर 2018 में उनकी पुस्तक 'द चेंजिंग इंडिया' के विमोचन के अवसर पर सामने आई थी, जब उन्होंने कहा था कि जो लोग कहते हैं कि मैं एक मूक प्रधानमंत्री था, मुझे लगता है कि मेरी ये पुस्तकें बोलती हैं। बतौर प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह लोकसभा में 23 मार्च 2011 को विपक्ष के सवालों का जवाब दे रहे थे। उस दौरान सदन में नेता प्रतिपक्ष सुषमा स्वराज ने उन पर तंज करते हुए कहा था, तू इधर-उधर की न बात कर, ये बता कि कारवां क्यों लुटा, मुझे रहजनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है। इसके जवाब में डा. मनमोहन सिंह ने कहा था, माना के तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक तो देख मेरा इंतजार तो देख। डा. मनमोहन सिंह ने जनवरी 2014 में बतौर प्रधानमंत्री अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया के उन सवालों का जवाब देते हुए, जिनमें कहा गया था कि उनका नेतृत्व कमजोर है और कई अवसरों पर वे निर्णायक नहीं रहे, कहा था कि मैं यह नहीं मानता कि मैं एक कमजोर प्रधानमंत्री रहा हूं बल्कि मैं ईमानदारी से यह मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति समकालीन मीडिया या संसद में विपक्ष की तुलना में ज्यादा उदार होगा, राजनीतिक मजबूरियों के बीच मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। उन्होंने कहा था कि परिस्थितियों के अनुसार मैं जितना कर सकता था, उतना किया। यह इतिहास को तय करना है कि मैंने क्या किया है या क्या नहीं किया है। उनका कहना था कि मुझे उम्मीद है कि मीडिया की तुलना में इतिहास मेरा मूल्यांकन करते समय ज्यादा उदार होगा। 26 सितंबर 1932 को पंजाब (अब पाकिस्तान में) के गांव गाह में जन्मे मनमोहन सिंह का परिवार विभाजन के समय भारत आ गया था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में हुई थी, जिसके बाद उच्च शिक्षा के लिए वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए, जहां उन्होंने अर्थशास्त्र में ट्रिपोस किया और फिर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल की उपाधि प्राप्त की। उनकी उच्च शिक्षा ने उन्हें न केवल एक उत्कृष्ट अर्थशास्त्री बनाया बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य और आर्थिक सोच की गहराई भी प्रदान की। अपने कैरियर की शुरूआत उन्होंने भारतीय सिविल सेवा से की और बाद में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और भारतीय रिजर्व बैंक जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में भी कार्य किया। वे 1982 से 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे और उस दौरान उन्होंने वित्तीय स्थिरता बनाए रखने तथा मुद्रा प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत के आर्थिक इतिहास में 1991 का वर्ष एक निर्णायक मोड़ था क्योंकि उस समय देश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा था। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने डा. मनमोहन सिंह को वित्तमंत्री नियुक्त किया। वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने साहसिक आर्थिक सुधारों का नेतृत्व किया, जिनमें उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण प्रमुख थे। बहरहाल, राजनीति में डा. मनमोहन सिंह जैसे विद्वान बहुत ही कम देखने को मिलते हैं। उनकी सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों के बावजूद उनकी व्यक्तिगत ईमानदारी हमेशा संदेह से परे रही। वह एक ऐसा राजनेता थे, जिन्हें राजनीतिक सीमाओं से परे सम्मान प्राप्त था। कुल मिलाकर, तमाम आलोचनाओं के बावजूद डा. मनमोहन सिंह एक ऐसे नेता के रूप में याद किए जाएंगे, जिन्होंने भारत को वैश्विक मंच पर सम्मानजनक स्थान दिलाया और भारत को आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से एक मजबूत राष्ट्र बनाने में अहम योगदान दिया।

डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे गंभीर चुनौती

डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे चिन्ता का बड़ा कारण बन रहे हैं। बच्चों के स्क्रीन पर बहुत अधिक समय बिताने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं तो बढ़ ही रही हैं, बच्चे अलगाववादी, हिंसक एवं अस्वस्थ गतिहीन जीवनशैली के अंग बनते जा रहे हैं। छोटी अवस्था में बच्चे अधिक समय ऑनलाइन बिताने के कारण साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शिकारियों और अन्य जोखिमों के शिकार भी हो रहे हैं। सोशल मीडिया बच्चों एवं युवाओं के संवाद का जैसे-जैसे अभिन्न माध्यम बन रहा है, वैसे-वैसे तमाम तरह के जोखिम एवं खतरे भी जुड़ते जा रहे हैं, जिनसे बच्चों एवं किशोरों को बचाने के लिये भारत में वर्ष 2023 में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट लाया गया, इस एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों पर बढ़ रहे खतरों से सुरक्षा देने के लिये एक प्रभावी एवं सराहनीय कदम है। पांच वर्ष से अठारह वर्ष के बच्चों में मोबाइल, इंटरनेट एवं टेक्नोलॉजी एडिक्शन की लत बढ़ रही है, जिनमें स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच, टैब, लैपटॉप आदि सभी शामिल हैं। यह समस्या केवल भारत की नहीं, बल्कि दुनिया के हर देश की है। ऐसे अनेक ऑनलाइन लत के शिकार रोगी बच्चें अस्पतालों में पहुंच रहे हैं, जिनमें इस लत के चलते बच्चे बुरी तरह तनावग्रस्त थे। कुछ दोस्त व परिवार से कट गए, कुछ तो ऐसे थे जो मोबाइल न देने पर पेरेंट्स पर हमला तक कर देते थे। बच्चे आज के समय में अपने आप को बहुत जल्दी ही अपनी उम्र से ज्यादा बड़ा महसूस करने लगे हैं। अपने ऊपर किसी भी पाबंदी को बुरा समझते हैं, चाहे वह उनके हित में ही क्यों ना हो। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को उजागर किया। इंटरनेट की यह आभासी दुनिया ना जाने और कितने मासूम व छोटे बच्चों को अपने जाल में फंसाएगी और उनका जीवन तबाह करेगी?

पढ़ाई के बहाने युवाओं को अमेरिका भेजने का गोरख धंधा

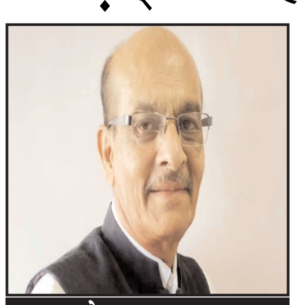

लेखक - सनत जैन

भारतीय छात्रों को अमेरिका और कनाडा में अवैध रूप से प्रवेश कराने के एक बडे रैकेट का खुलासा हुआ है। यह रैकेट न केवल छात्रों और उनके अभिभावकों को भ्रमित करता है, बल्कि विदेशी शिक्षा के नाम पर उनके भविष्य को भी अंधकार मय बनाकर करोड़ों रुपए की कमाई कर रहा है। एक खुलासे में बताया गया है कि लगभग 200 कनाडाई कॉलेज इस रैकेट का हिस्सा हैं। कनाडा के कॉलेजों में छात्रों को प्रवेश दिलाकर उन्हें अवैध रूप से अमेरिका भेजा जाता है। इस रैकेट की कार्यप्रणाली में छात्रों को आकर्षक पैकेज और अमेरिका का वीजा दिलाने का वादा किया जाता है। भ्रमित कर छात्रों को कनाडा के कॉलेजों में प्रवेश दिलाया जाता है। उसके बाद अवैध रूप से अमेरिका पहुंचाने का काम होता है। वीजा आवेदन में गलत जानकारी देकर छात्रों को अवैध रूप से अमेरिका भेजा जाता है। जहां वह कानूनी सुरक्षा से वंचित हो जाते हैं। इस रैकेट का सबसे बडे शिकार वे छात्र होते हैं, जो बेहतर भविष्य की तलाश में अपने परिवार की समस्त पूंजी को दांव पर लगा देते हैं। अवैध रूप से कनाडा से अमेरिका पहुंचते हैं तो वह अवैध प्रवासी बन जाते हैं। जो उनको अपराधी बना देता है। इस तरह से गए छात्रों को आर्थिक संकटों का सामना करना पड़ता है। उनका केरियर बर्बाद हो जाता है। भारत में रह रहे उनके परिवार के लोग परेशान हो जाते हैं। इस तरह की अवैध घुसपैठ से भारत की छवि भी दुनिया के देशों में खराब हो रही है। इस मामले में भारत सरकार की लापरवाही के कारण इस तरह के रैकेट्स बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। भारत सरकार को उन पर सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए, जो अभी तक नहीं की जा रही है। भारत सरकार द्वारा छात्रों और उनके अभिभावकों को जागरूक करना आवश्यक है ताकि वे इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार न बनें। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय को यह सुनिश्चित करना चाहिए। विदेश में अध्ययन के लिए जाने वाले छात्रों के लिये सत्यापित संस्थानों की सूची उपलब्ध कराई जाए। विदेशी शिक्षा के नाम पर धोखाधड़ी को रोकना

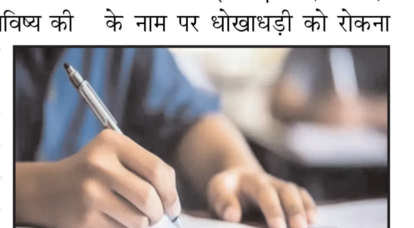

अत्यावश्यक है। सरकार, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संगठनों को मिलकर जन-जागरण का काम करना होगा। ताकि भारतीय छात्रों का भविष्य देश और विदेश में सुरक्षित रहे। यह समझने की बात है कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं है। यह युवा पीढ़ी के समग्र विकास और नैतिक मूल्यों एवं उनके केरियर का आधार भी है। छात्रों को सही दिशा में मार्गदर्शन देना, सरकार, शिक्षा मंत्रालय एवं सामाजिक संगठनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिस तरह से पढ़ाई के नाम पर भारतीय युवाओं को ठगा जा रहा है। उन्हें अनजाने में अपराधी बनाया जा रहा है। छात्रों के परिवार अपने बच्चों का कैरियर बनाने के लिए लाखों रुपए की धोखाधड़ी के शिकार हो रहे हैं। विदेश भेजने के लिए छात्रों के परिवारजन, लाखों रुपए का कर्ज लेते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार की जिम्मेदारी है कि इस तरह से यदि कोई धोखाधड़ी हो रही है तो उस पर तुरंत कड़ाई से रोक लगाने की कार्रवाई करे। अभी पढ़ाई के नाम पर जिस तरह से अवैध गतिविधियां भारत - कनाडा और अमेरिका के शिक्षण संस्थानों में अपराधी गिरोह द्वारा शिक्षा के नाम पर संचालित की जा रही हैं, उन पर तुरंत रोक लगाए जाने की जरूरत है। इस गोरख धंधे में जो बच्चे बैंक से एजुकेशन लोन लेकर विदेशों में पढ़ाई करने के लिए जाते हैं, वे धोखाधड़ी के शिकार हो रहे हैं। बैंक का लोन जो विदेशी मुद्रा में दिया जाता है। उसका नुकसान भी बैंकों को उठाना पड़ रहा है। इसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। सरकार को इस मामले में जल्द से जल्द ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है।

बद्ध होने का परिणाम

प्रकृति द्वारा बद्ध किए गए जीव कई प्रकार के होते है। कोई सुखी है और कोई अत्यंत कर्मठ है, तो दूसरा असहाय है। इस प्रकार के मनोभाव ही प्रकृति में जीव की बद्धावस्था के कारणस्वरूप हैं। भगवद्गीता के इस अध्याय में इसका वर्णन हुआ है कि वे किस प्रकार भिन्न-भिन्न प्रकार से बद्ध है। सर्वप्रथम सतोगुण पर विचार किया गया है। इस जगत में सतोगुण विकसित करने का लाभ यह होता है कि मनुष्य अन्य बद्धजीवों की तुलना में अधिक चतुर हो जाता है। सतोगुणी पुरुष को भौतिक कष्ट उतना पीड़ित नहीं करते और उसमें भौतिक ज्ञान की प्रगति करने की सूझ होती है। इसका प्रतिनिधि ब्राह्मण है, जो सतोगुणी माना जाता है। सुख का यह भाव इस विचार के कारण है कि सतोगुण में पापकर्मो से प्रायः मुक्त रहा जाता है। वास्तव में वैदिक साहित्य में यह कहा गया है कि सतोगुण का अर्थ ही है अधिक ज्ञान तथा सुख का अधिकाधिक अनुभव। सारी कठिनाई यह है कि जब मनुष्य सतोगुण में स्थित होता है, तो उसे ऐसा अनुभव होता है कि वह ज्ञान में आगे है और अन्यों की अपेक्षा श्रेष्ठ है। इस प्रकार वह बद्ध हो जाता है। इसके उदाहरण वैज्ञानिक तथा दार्शनिक हैं। इनमें से प्रत्येक को अपने ज्ञान का गर्व रहता है और चूंकि वे अपने रहन-सहन को सुधार लेते है, अतएव उन्हें भौतिक सुख की अनुभूति होती है। बद्ध जीवन में अधिक सुख का यह भाव उन्हें भौतिक प्रकृति के गुणों से बांध देता है। अतएव वे सतोगुण में रहकर कर्म करने के प्रति आकृष्ट होते हैं। और जब तक इस प्रकार कर्म करते रहने का आकषर्ण बना रहता है, तब तक उन्हें किसी न किसी प्रकार का शरीर धारण करना होता है। इस प्रकार उनकी मुक्ति की कोई सम्भावना नहीं रह जाती। वे बारम्बार दार्शनिक, वैज्ञानिक या कवि बनते रहते हैं और बारम्बार जन्म-मृत्यु के उन्हीं दोषों में बंधते रहते हैं। लेकिन माया-मोह के कारण वे सोचते हैं कि इस प्रकार का जीवन आनंदप्रद है।

शाहबानो के आंसू कांग्रेस को रुलाते रहेंगे

लेखक - डॉ. आर.के. सिन्हा

इंदौर की बेबस तलाकशुदा शाहबानो 1980 के दशक में भारत में मुस्लिम औरतों की बेबसी के प्रतीक के रूप में सामने आई थीं। उसके बाद के कालखंड में जब भी ऐसा लगने लगता है कि देश उन्हें भूलने लगा है, फिर से किसी न किसी रूप में शाहबानो प्रकरण की चर्चा शुरू हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में संसद में संविधान के 75 साल पूरा होने पर हुई चर्चा के दौरान शाहबानो प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा कि 'सुप्रीम कोर्ट से शाहबानो को हक मिला था, राजीव गांधी ने सुप्रीम कोर्ट की उस भावना को नकार दिया। वोटबैंक की राजनीति की खातिर संविधान की भावना की बलि चढ़ा दी।' यह सच है कि इंसाफ के लिए तड़प रही एक महिला की बजाय राजीव गांधी ने इस्लामिक कट्टरपंथियों का खुलकर साथ दिया था। संसद में अपनी बहुमत के बल पर आनन-फानन में कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को एक बार फिर पलट दिया गया था। दरअसल, शाहबानो केस भारत की राजनीतिक और कानूनी प्रणाली में महत्वपूर्ण मोड़ था। यह मामला 1985 में सामने आया था और इसने देश में एक बड़ी बहस छेड़ दी थी। शाहबानो इंदौर की मुस्लिम महिला थीं, जिन्हें उनके पति ने तलाक दे दिया था। उन्होंने गुजारा भत्ता (भरण-पोषण) की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। निचली अदालतों ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। लेकिन उनके पति ने इस फैसले को मानने की बजाय सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली। सुप्रीम कोर्ट ने शाहबानो के पक्ष में फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 के तहत तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भी गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा कि यह कानून सभी धर्मों के लोगों पर लागू होता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने देश में राजनीतिक भूचाल-सा ला दिया। मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने इस फैसले का विरोध किया और इसे अपने धार्मिक कानूनों में हस्तक्षेप माना। उन्होंने सरकार पर मुस्लिम पर्सनल लॉ में बदलाव का आरोप लगाया। वे किसी भी रूप में शाहबानो के हक में खड़े होने को तैयार नहीं थे। शाहबानो एक बुजुर्ग महिला थीं, उनका साथ देने के लिए कोई भी मुस्लिम संगठन खड़ा नहीं हुआ। सबने उसे अपने हाल पर मरने के लिए छोड़ दिया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार ने इस मामले में अत्यंत ही विवादास्पद कदम उठाया। उन्होंने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 पारित किया। इस अधिनियम ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया और तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने की जिम्मेदारी उसके पति के बजाय उनके परिवार या वक्फ बोर्ड पर डाल दी। वक्फ बोर्ड ने किसकी किसकी कब मदद की, यह बात न राजीव गांधी को पता थी और न उनके करीबियों को। राजीव गांधी सरकार के फैसले की व्यापक आलोचना हुई। कई लोगों ने इसे अल्पसंख्यक तुष्टीकरण और लैंगिक न्याय के खिलाफ माना। जो सच भी था। इस मामले ने भारतीय राजनीति में धार्मिक और लैंगिक मुद्दों को केंद्र में ला दिया। शाहबानो केस ने धार्मिक आधार पर भारतीय समाज को ध्रुवीकृत कर दिया। इसने भारत में महिला अधिकारों और लैंगिक न्याय पर नई बहस छेड़ दी। शाहबानो केस ने राजनीतिक दलों की भूमिका और अल्पसंख्यकों के प्रति उनके दृष्टिकोण को उजागर किया। देश के आम अवाम को समझ आ गया कि कांग्रेस मुसलमानों के वोट हासिल करने के लिए किसी भी हद तक समझौता कर सकती है। शाहबानो केस भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण घटना बनी हुई है, जो आज भी प्रासंगिक है। यह मामला बताता है कि कैसे धार्मिक और राजनीतिक मुद्दे सामाजिक न्याय और समानता को प्रभावित कर सकते हैं। शाहबानो केस में मुस्लिम संगठनों का असली चेहरा सामने आ गया। वे तलाकशुदा मुस्लिम महिला को अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता पाने का हकदार नहीं मानते थे। उनका तर्क था कि यह फैसला मुस्लिम पर्सनल लॉ में हस्तक्षेप करता है। इसके बाद ही, राजीव गांधी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया था। कांग्रेस ने इस मामले में मुस्लिम समुदाय को खुश करने के लिए तुष्टिकरण की नीति अपनाई। इसके चलते कांग्रेस को देश ने नकारना शुरू कर दिया। शाहबानो केस में कांग्रेस के स्टैंड से सख्त नाराज होकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान ने पार्टी छोड़ी थी। आरिफ साहब की पहचान मुस्लिम और हिंदू धर्मग्रंथों के विद्वान एवं स्वतंत्र विचारों वाले व्यक्ति के रूप में रही है। वे उदार और बुद्धिजीवी व्यक्ति हैं। आरिफ मोहम्मद खान राजीव गांधी की कैबिनेट में होने के बावजूद शाहबानो मामले में उनसे भिड़ गए थे और मंत्रिपद से इस्तीफा देकर विरोध में खड़े हो गए थे। राजीव गांधी के तुष्टिकरण भरे फैसले ने शाहबानो को झकझोर कर रख दिया। सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले को पलट कर जिसमें तलाकशुदा शाहबानो को गुजारा भत्ता दिए जाने का निर्देश दिया गया था, इसके लिए उन्हें नया कानून बनाना पड़ा। उद्देश्य था- कट्टरपंथी मौलवियों को खुश करना। अर्थ था- संविधान के ऊपर शरीयत की वरीयता। ऐसे में बोलना तो पड़ेगा, विशेषकर कांग्रेस को और उससे भी ज्यादा राहुल गांधी को, जो हर मौके पर हाथ में संविधान की प्रति लेकर खतरा-खतरा चिल्लाते रहते हैं। उन्हें फैसला करना पड़ेगा कि वे संविधान के पक्ष में हैं या शरीयत के? मुल्ला मुस्लिम पर्सनल लॉ के या तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के गुजारा भत्ते के? बड़ी मुश्किल डगर है- एक तरफ कुआं, दूसरी तरफ खाई, किधर जाएगी कांग्रेस ? सच यह है कि वक्त आने पर मुस्लिम महिलाओं के हक में तीस्ता सीतलवाड़ से लेकर वे तमाम लेखक और कैंडल मार्च निकालने वाले बुद्धिजीवी भी नदाराद रहते हैं, जो बात-बात पर मुसलमान औरतें के हक में सोशल मीडिया पर लिखते-बोलते रहते हैं। दूसरी तरफ, भाजपा को हर वक्त बुरा-भला कहने वाले यह जान लें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ही अपने कार्यकाल में अभी तक मुस्लिम औरतों के हक में तमाम बड़ी योजनाएं लागू की हैं। मोदी सरकार की ही पहल पर मुस्लिम औरतों को तीन तलाक से मुक्ति मिली।

प्रसंगतः धन, कुटुंब और धर्म

किसी आश्रम में अनेक छात्र शिक्षा ग्रहण करते थे। एक दिन कुछ छात्रों ने अपने गुरु से प्रश्न किया, 'गुरुजी, धन, कुटुंब और धर्म में कौन सच्चा सहायक होता है?' गुरु ने प्रश्न का सीधा उत्तर न देते हुए एक कथा सुनाई - एक व्यक्ति के तीन मित्र थे। जिनमें एक सबसे प्रिय था, जिसके साथ वह अधिक समय बिताता था। कहीं भी जाना होता तो उसी के साथ जाता। दूसरे मित्र से उसकी कम घनिष्ठता थी और तीसरा मित्र बिल्कुल उपेक्षित था। वह उससे बहुत कम मिलता था। एक बार वह व्यक्ति किसी मुसीबत में फंस गया जिसके कारण उसे राज दरबार में बुलाया गया। वह थोड़ा घबरा गया। उसे अकेले जाने में डर लगा, इसलिए उसने अपने किसी मित्र को साथ ले जाने की सोची। वह अपने सबसे प्रिय मित्र के पास गया, लेकिन उसने उसके साथ जाने से इनकार कर दिया। फिर वह दूसरे मित्र के पास गया। उसने व्यस्तता के कारण साथ जाने से इनकार कर दिया। हां, यह जरूर कहा कि और कोई मदद हो तो कर दूंगा। वह व्यक्ति निराश हो गया। फिर वह तीसरे मित्र के पास पहुंचा। तीसरे मित्र ने उसकी पूरी बात सुनी और सहायता करने का वचन देकर उसके साथ राजदरबार गया। राजदरबार में उसने अपने मित्र का पक्ष रखा और उसे संकट से बचाकर ले आया। कथा पूरी होने पर गुरुजी ने अपने शिष्यों को तीनों मित्रों के प्रतीकात्मक अर्थ बताए, 'पहला मित्र धन है जिसे परमप्रिय समझा जाता है लेकिन वह मृत्यु के बाद घर से बाहर एक कदम नहीं निकालता। दूसरा मित्र कुटुंब है जो यथासंभव सहायता तो करता है लेकिन उसका सहयोग भी शरीर रहने तक ही रहता है। धर्म ही वह मित्र है जो इस लोक और परलोक दोनों में साथ देता है। हालांकि हम इसके प्रति उपेक्षा का भाव रखते हैं लेकिन यह चिरस्थायी सुख- शांति प्रदान करता है।' सभी शिष्यों को अपने प्रश्न का उत्तर मिल गया।

सीरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति असद के समर्थकों की धरपकड़ तेज

दमिश्क। सीरिया से भागकर रूस में शरण लेने वाले अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थक नेताओं और अधिकारियों की धरपकड़ का अभियान आज शुरू किया गया। सीरिया में नियंत्रण पा चुके हयात तहरीर अल-शाम के सदस्य इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। इन लोगों के हाथ में सीरिया के सैन्य विभाग की कमान है। इस अभियान के दौरान झड़पों के बाद कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। अरबी न्यूज वेबसाइट '963+' ने सूत्रों के हवाले से कहा कि सैन्य विभाग ने अपदस्थ राष्ट्रपति के समर्थकों और अधिकारियों को पकड़ने के लिए आज देश के लताकिया गवर्नरेट में व्यापक अभियान शुरू किया। इस दौरान लताकिया के मस्तराखू गांव में इन लोगों के साथ झड़पें हुई हैं। इसके बाद लताकिया के ग्रामीण इलाके में स्थित हमीमिम बेस के आसपास चौकियां स्थापित की गईं। इस बेस के आसापस रूसी सुरक्षाबल पहले से मौजूद हैं। सैन्य विभाग ने होम्स, टार्टस और सफिता में अपना ढांचा मजबूत किया है। उत्तर-पश्चिमी हामा ग्रामीण इलाके के हलफया शहर से अपदस्थ शासन के दर्जनों समर्थकों को गिरफ्तार किया है। देश के पूर्व में स्थित दीर एज-जोर के ग्रामीण इलाके में सीरियाई-इराकी सीमा पर अल्बुकामल शहर में सैन्य विभाग के लड़ाकों की ईरान समर्थक 47वीं रेजिमेंट के आतंकियों के बीच झड़पें हुई हैं। इसमें दो आतंकी घायल हो गए। छह को गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान मशीनगन और गोला-बारूद जब्त किया गया। अल्बुकमल देहात के सुकारिया शहर में ईरान समर्थक इस रेजिमेंट का एक हथियार डिपो भी मिला है। इस अभियान के दौरान दीर एज-जोर के पूर्वी ग्रामीण इलाके के अल-अशरा शहर में ईरान समर्थक गुटों के चार सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। इनमें अंतर अल-अहमद उर्फ अबू अल-गैदा भी है। डेर एज-जोर के पूर्वी ग्रामीण इलाके के अल-मयादीन शहर से कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें हमजा अल-ओलायन और अहमद अल-खलौफ प्रमुख हैं। इससे पहले मसयाफ शहर और कुदसाया से अपदस्थ शासन के 80 से अधिक अधिकारियों और सदस्यों को गिरफ्तार किया गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पूर्व पीएम मनमोहन के निधन पर जताया शोक

कहा-भारत-अमेरिका संबंध किए मजबूत, वह सच्चे राजनेता, दयालु और विनम्र व्यक्ति थे

वाशिंगटन। भारत के पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शोक प्रकट किया है। व्हाइट हाउस ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का एक बयान जारी किया, जिसमें बाइडेन ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया। बाइडेन ने कहा कि जिल और मैं भारत के लोगों के साथ भारत के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करता हूं। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच आज जो अभूतपूर्व सहयोग है, वह मनमोहन सिंह की रणनीतिक दृष्टि और राजनीतिक साहस के बिना संभव नहीं होता।

अमेरिका और भारत सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेंट से लेकर इंडो-पैसिफिक साझेदारों के बीच पहले क्वाड की शुरूआत तक मनमोहन सिंह ने ऐसी ऐतिहासिक प्रगति की दिशा में मार्ग प्रशस्त किया जो हमारे देशों और दुनिया को आने वाली पीढ़ियों तक मजबूत बनाए रखेंगी। बाइडेन ने मनमोहन सिंह को एक सच्चे राजनेता, एक समर्पित सार्वजनिक सेवक और एक दयालु और विनम्र व्यक्ति बताया है। उन्होंने मनमोहन के साथ अपनी व्यक्तिगत मुलाकातों को याद करते हुए कहा कि मुझे 2008 में सिनेट विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष के रूप में और 2009 में उपराष्ट्रपति के रूप में उनके आधिकारिक राज्य दौरे के दौरान मनमोहन सिंह से मिलने का अवसर मिला था। 2013 में उन्होंने मेरा नई दिल्ली में ससम्मान स्वागत किया। हमने उस समय अमेरिका-भारत संबंध को मजबूत करने के लिए चर्चा किया था।

बाइडेन ने कहा कि जिल और मैं पूर्व प्रथम महिला गुरशरण कौर उनके तीनो बच्चों और भारत के सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। मनमोहन सिंह को 1991 में नरसिम्हा राव की सरकार के दौरान किए गए ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों के लिए जाना जाता है। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया और लाइसेंस राज को समाप्त कर दिया। पीएम के रूप में डॉ मनमोहन सिंह ने देश को परिवर्तनकारी बदलावों के एक दशक के दौरान नेतृत्व किया, जिससे उनका कार्यकाल जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद कांग्रेस के प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबा बन गया। उनके नेतृत्व में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, आरटीआई और आरटीई जैसे ऐतिहासिक कानूनों की शुरूआत की। इन कानूनों का लाखों लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। मनमोहन सिंह का एक प्रतिष्ठित प्रशासनिक करियर भी रहा है। उन्होंने 1982 से 1985 तक आरबीआई के गवर्नर के रूप में कार्य किया। 1987 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। मनमोहन सिंह ने इस साल की शुरूआत में सक्रिय राजनीति से संन्यास लिया और राज्यसभा के सदस्य के रूप में 33 सालों के अपने गौरवमयी कार्यकाल को खत्म किया।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे योशिता को सीआईडी ने तलब किया

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के दूसरे बेटे योशिता राजपक्षे को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने तीन जनवरी को बयान दर्ज कराने के लिए ऑफिस बुलाया है। उनसे कटारगामा में सरकारी स्वामित्व वाली भूमि के स्वामित्व के संबंध में पूछताछ की जानी है। सीआईडी के अधिकारी 27 दिसंबर को इस संबंध में महिंदा राजपक्षे के पूर्व निजी सुरक्षा अधिकारी मेजर नेविल वान्नियाराची के बयान दर्ज कर चुके हैं। डेली मिरर के अनुसार, सीआईडी इस भूमि के स्वामित्व दस्तावेजों में की गई हेराफेरी की जांच कर रही है। सीआईडी ने योशिता को पूछताछ के लिए 3 जनवरी को तलब किया है। 12 जून, 1988 को जन्मे योशिता श्रीलंकाई खिलाड़ी और पूर्व नौसेना अधिकारी हैं। वो श्रीलंका के प्रधानमंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। योशिता राजपक्षे साल 2016 से किसी न किसी मामले में जांच का सामना कर रहे हैं। उन्हें फाइनेंशियल क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिवीजन ने 16 जनवरी, 2016 भ्रष्टाचार के आरोपों में लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी श्रीलंका के स्पोर्ट्स, लाइफ स्टाइल और बिजनेस टेलीविजन चैनल कार्ल्टन स्पोर्ट्स नेटवर्क (सीएसएन) में कथित फजीवाड़े पर की गई थी। योशिता के साथ पूर्व राष्ट्रपति के प्रवक्ता रोहन वेलिविता को भी हिरासत में लिया गया था। इस मामले में उन्हें कोलंबो हाई कोर्ट ने 14 मार्च, 2016 को जमानत प्रदान की थी।

चीन ने अपने सबसे विशाल युद्धपोत का नाम सिचुआन को लांच किया

बीजिंग। चीन ने अब तक के अपने सबसे विशाल टाइप 076 एम्फीबियस अटैक शिप को लांच किया है। इस युद्धपोत का नाम सिचुआन है। यह लॉन्चिंग चीन के छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान की पहली उड़ान के बाद की गई है। 27 दिसंबर को लांच जहाज को वैश्विक स्तर पर अपनी तरह का सबसे बड़ा जहाज बताया जा रहा है। आकार में यह भारतीय नौसेना के एयरक्राफ्ट कैरियर के जैसा है। हालांकि, यह युद्धपोत इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लांच सिस्टम (ईएमएएलएस) से लैस है, जिनका इस्तेमाल एयरक्राफ्ट कैरियरों में भारी विमानों को लांच करने के लिए होता है। चीन के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत सिचुआन के नाम पर बने जहाज को शंघाई के चांगक्सिंग द्वीप पर स्थित हुडोंग-झोंगहुआ शिपयार्ड में औपचारिक रूप से लांच किया गया। लांच समारोह में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलए नेवी) के उच्च पदस्थ अधिकारी, सिचुआन प्रांतीय सरकार के प्रतिनिधि, चाइना स्टेट शिपबिल्डिंग कॉरपोरेशन (सीएसएससी) के अधिकारी और परियोजना पर काम करने वाले डिजाइनर और निर्माण कर्मी शामिल हुए। पीएलए नेवी के बयान के अनुसार, सिचुआन में 40,000 टन से अधिक का पूर्ण विस्थापन है।

अमेरिका ने की इमरान खान को रिहा करने की मांग, भड़के बिलावल भुट्टो

कहा-इमरान एक बहाना है, उनका असली मकसद पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम है

इस्लामाबाद। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत रिचर्ड ग्रेनेल ने पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की रिहाई की मांग की। इसे लेकर सत्ता में मौजूद गठबंधन भड़क गया है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने सवाल किया कि वे लोग जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ षड्यंत्र रचा, अब पीटीआई संस्थापक इमरान खान के लिए आवाज क्यों उठा रहे हैं? पीपीपी प्रमुख ने कहा कि हमें उन साजिशों का सामना करने के लिए एकजुट होना होगा, जो पाकिस्तान के खिलाफ रची जा रही हैं। हमें राजनीति को अलग रखकर पाकिस्तान और उसके बचाव के बारे में सोचना होगा। बिलावल ने शुक्रवार को गढ़ी खुदा बख्श में पूर्व पीएम बेनजीर भुट्टो की 17वीं पुण्यतिथि के अवसर पर कहा कि वे उस परमाणु तकनीक पर बुरी नजर डाल रहे हैं, जिसे जुल्फिकार अली भुट्टो और बेनजीर भुट्टो ने पाकिस्तान को दी है। पीपीपी अध्यक्ष ने कहा कि अमेरिका से हमारे आंतरिक राजनीति के मामले में बयान दिए जा रहे हैं। ये बयान महज बहाने हैं। बिलावल ने कहा कि अमेरिकी सांसदों का पाकिस्तान में लोकतंत्र से कोई लेना-देना नहीं है इमरान खान केवल एक बहाना है, उनका असली निशाना पाकिस्तान का परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि पीटीआई के संस्थापक को इन बयानों के बारे में अपनी स्थिति साफ करनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जो लोग पहले पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ बयान दे रहे थे, वे अब इमरान खान की रिहाई क्यों चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पीटीआई और उसके संस्थापक इमरान खान को इन बयानों की निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि एक लॉबी ऐसी सरकार लाना चाहती है, जो किसी भी चीज पर समझौते के लिए तैयार हो जाए, जिसमें परमाणु कार्यक्रम भी शामिल है। ट्रंप ने अपने चुनावी अभियान के दौरान परमाणु हथियारों को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि दुनिया भर में परमाणु हथियार बढ़ रहे हैं। यहां तक कि पाकिस्तान के पास भी परमाणु हथियार हैं।

इतिहास :

1170 आर्कबिशप थामस बेकेट को इंग्लैंड में कैंटरबरी चर्च में मौत के घाट उतार दिया गया.

1680 इंग्लैंड के लार्ड स्टैफोर्ड को राजद्रोह के आरोप में मौत के घाट उतार दिया गया.

1844 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष उमेश चंद्र बनर्जी का जन्म हुआ.

1933 रोमानिया के प्रधानमंत्री इयोन डुका की हत्या कर दी गई.

1934 जापान नौसैनिक संधि से अलग हो गया.

1940 जर्मन बमबारों ने लंदन पर जबरदस्त हमला किया.

1962 राष्ट्रसंघ की फौजों ने एलिजावेथ विले पर कब्जा किया था.

1965 बेचुआनालैंड को स्वतंत्र किए जाने की घोषणा की गई.

1972 कलकत्ता मेट्रो रेलवे पर काम शुरु हुआ .

1988 सूडान ने भारी विरोध के बाद कीमतों में वृद्धि वापस ले ली.

1989 चेकोस्लोवाक संसद ने असंतुष्ट नाटककार वाकलाव हावेल को राष्ट्रपति चुना.

2001 पोटो के संशोधित प्रारुप को केबीनेट ने मंजूर किया.

नेतन्याहू ने दी हूती विद्रोहियों को चेतावनी, बाज आ जाएं नहीं तो हमास जैसा होगा हाल

तेल अवीव। इजराइल ने यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी है कि अगर उन्होंने इजराइल पर हमला जारी रखा तो वे गाजा, लेबनान और सीरिया में ईरान समर्थित सहयोगियों की ही उनका भी वही हाल होगा। इजराइल ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और पास का हेज्याज पावर प्लांट पर हमला किया। होदेइदा, सलीफ और रस कंतीब के बंदरगाहों में स्थित आतंकवादी अड्डों को भी निशाना बनाया है। नेतन्याहू ने कहा कि हमने अभी इस हमले के जरिए शुरूआत की है। हम उन्हें इजराइल पर हमला करने नहीं देंगे चाहे वह आज हो या कल। हम अंत तक उन पर हमला करेंगे, जब तक कि वे सीख न लें। उन्होंने कहा कि हमास ने सीखा, हिजबुल्लाह ने सीखा और सीरिया ने सीखा। अब हूती भी सीखेंगे। यमन और इजराइल के बीच करीब 2000 किमी की दूरी है। हाल ही में यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल के खिलाफ एक मिसाइल लॉन्च की थी। हूती विद्रोहियों को ईरान से समर्थन मिलता है। हूती विद्रोही लाल सागर में जहाजों पर भी हमला कर रहे हैं। यह अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्ग के लिए एक बड़े झटके की तरह है। इजराइल ने शुक्रवार को गाजा के अस्पताल पर हमला किया, जिससे कई कर्मचारियों और मरीजों को बाहर निकलने पर मजबूर होना पड़ा। इजराइली सैनिकों ने अस्पताल के कर्मियों और मरीजों को जबरन बाहर निकालकर उसमें आग लगा दी। अस्पताल के कर्मचारियों के मुताबिक पिछले तीन महीने में इजराइली सैनिकों ने हमास के लड़ाकों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाकर कमाल अदवान अस्पताल पर कई बार हमला किया है। एक दिन पहले अस्पताल पर हुए हमले में पांच चिकित्सा कर्मी मारे गए। इजराइली सेना ने कहा कि वह अस्पताल के क्षेत्र में हमास के बुनियादी ढांचे और लड़ाकों के खिलाफ अभियान चला रही थी, लेकिन उसने इस बारे में विवरण नहीं दिया।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी का फासीवाद विरोधी दलों से एक होने का आह्वान

ढाका। बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के अमीर डॉ. शफीकुर रहमान ने आज सुबह मुक्ति संग्राम की भावना के साथ आजादी के लिए लड़ रहे युवाओं की आकांक्षाओं से प्रेरित एक "नया बांग्लादेश" बनाने के लिए सभी फासीवाद विरोधी राजनीतिक दलों के बीच एकता का आह्वान किया। उन्होंने यह तकरीर राजधानी के सुहरावर्दी उद्यान में आयोजित खिलाफत मजलिश के 12वें जनरल काउंसिल सत्र में की। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, डॉ. रहमान ने बांग्लादेश में लोकतंत्र की स्थापना के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "बांग्लादेश 2024 के मुक्ति संग्राम में भाग लेने वाले युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप आगे बढ़ेगा। नए बांग्लादेश में सभी फासीवाद विरोधी राजनीतिक दल एकजुट होंगे।" जमात प्रमुख ने अफसोस जताते हुए कहा, "पिछले डेढ़ दशक में मुल्क के इस्लामी विद्वानों को अभूतपूर्व स्तर पर अन्याय और प्रतिशोध का शिकार होना पड़ा है।" खिलाफत मजलिश में विभिन्न इस्लामी राजनीतिक संगठनों के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में नौ आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पहाड़ी क्षेत्र उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान में सुरक्षाबलों ने रात को मुठभेड़ में नौ आतंकवादियों को मार गिराया। सात आतंकवादियों के घायल होने का अंदेशा जताया गया है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का पहाड़ी क्षेत्र मनरा आतंकवादियों का सबसे बड़ा गढ़ है। सुरक्षा बलों ने यहां आतंकवादियों के छुपने के महत्वपूर्ण स्थान को विस्फोट कर उड़ा दिया। डॉन समाचार पत्र की खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि यह मुठभेड़ मीर अली तहसील के बरहो खेल इलाके में हुई। सुरक्षाबलों को खुफिया इनपुट मिला था कि लगभग 25 आतंकवादी छुपे हुए हैं। सुरक्षाबलों ने इस स्थान को घेरकर उन्हें ललकारा। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। मारे गए आतंकवादियों में कमांडर अब्दुल हक और मोईन भी हैं। घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। इस मुठभेड़ के बारे में पूछने पर सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि आधिकारिक बयान तैयार किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुरुवार रात दक्षिण वजीरिस्तान की बीरमल तहसील में किए गए दो हमलों में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। रात करीब 10 बजे किए गए हमलों में मनरा इलाके में आतंकवादियों के एक ठिकाने (घर) को विस्फोट कर उड़ा दिया गया। मनरा में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादी घूमते रहते हैं।

गाजा में इजरायली हमले वाली एक जगह को देखते हुए लोग। इजरायल और हमास के बीच संघर्ष के बाद से ही यहां भारी नुकसान हुआ है। (फोटो)

अपनी मां के साथ मारपीट करने वाले बेटे को दिल्ली क्राइम एनजीओ ने पहुंचाया जेल

दिल्ली क्राइम एनजीओ की नेशनल कॉर्डिनेटर मीनाक्षी निगम के नेतृत्व में हुई कार्यवाही

नई दिल्ली। त्रिलोकपुरी एरिया की चुन्नी लाल कॉलोनी में बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट करने वाले आरोपी बेटे को दिल्ली क्राइम एनजीओ ने पुलिस के साथ मिलकर जेल में बंद करवा दिया है। पुलिस आगे की कार्यवाही में लगी हुई है। दिल्ली क्राइम एनजीओ की नेशनल कॉर्डिनेटर मीनाक्षी निगम ने जानकारी देते हुए बताया कि चुन्नी लाल कॉलोनी में रहने वाला राकेश अपनी पत्नी विनीता के साथ मिलकर अपनी मां के साथ मारपीट करता है। वहीं प्रॉपर्टी के लालच में अपनी मां के साथ गली गलौज करता है। राकेश अपनी मां को दुष्कर्म की धमकी तक देता है। पीड़ित महिला डर के कारण किसी से कुछ नहीं बोलती थी लेकिन राकेश आए दिन महिला को परेशान करता रहता था। पीड़ित महिला ने परेशान होकर दिल्ली क्राइम एनजीओ से संपर्क किया। जिसके बाद मौके पर पहुंची दिल्ली क्राइम एनजीओ की नेशनल कॉर्डिनेटर मीनाक्षी निगम और उनकी टीम ने आरोपी राकेश को सबक सिखाते हुए उसे पुलिस के हवाले कर दिया। दिल्ली क्राइम एनजीओ के सहयोग से पीड़िता ने पुलिस को मामले की शिकायत दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

दिल्ली के जनकपुरी में धंसी सड़क

विपिन दीवान

राजधानी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में सोमवार रात सड़क धंसने को लेकर अचानक एक अनोखी घटना सामने आई एक बड़ा हिस्सा मुख्य सड़क का धंस गया, जो इस इलाके में लोगों के बीच अचानक उलझनों का कारण बन गया. इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है वह के निवासियों का कहना है कि अब यही डर लगा रहता है कि न जाने कब कौन सी सड़क धंस जाए। हमें ऐसा डर लगा रहता है कि हम चल रहे हैं, न जाने कब जमीन के नीचे धंस जाए। अब आप ही बताइए कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस तरह की स्थिति देखने को मिल रही है। वहीं, उन्होंने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा, सरकार तो बहुत तरह के दावे करती है। अब स्थिति ऐसी बन चुकी है कि किसी को भी सरकार पर भरोसा नहीं है। अब यह जो सड़क धंसी है, ये काफी गहरी है।अब यहां पर रोजाना हाई ट्रैफिक देखने को मिलेगा ऐसे मैने निवासी लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है गड्ढा काफी बड़ा है जिस सड़क पे ये घटना हुई वो बहुत व्यस्त सड़कों में से एक है। अब देखना ये है कि सरकार इसे पे क्या एक्शन लेती है और कितनी जल्दी इसको भरा या ठीक किया जाएगा।

एयर इंडिया की पायलट ने किया सुसाइड

अभिषेक कुमार

मुंबई मे एयर इंडिया की एक महिला पायलट सृष्टि तुली ने अपने प्रेमी से परेशान होकर आत्महत्या कर लिया, प्रेमी आदित्य पंडित पर आत्महत्या कर लेने जैसे प्रयास उकसाने का आरोप लगा है, पुलिस ने आदित्य पंडित को अरेस्ट कर लिया है, आदित्य पंडित हमेशा सृष्टि तुली को नॉनवेज ना खाने के लिए उस पर अपना दबाओ बनाता था! सृष्टि तुली का पब्लिकली नॉनवेज खाना आदित्य पंडित को पसंद ना आना और सृष्टि तुली को दिमागी रूप से नीच दिखाया करता था! इन वजह से परेशान होकर सृष्टि तुली ने 25 नवम्बर को अपनी प्राण त्याग लिया!

दिल्ली क्राइम एन.जी.ओ की करोलबाग तहसील का शुभारंभ

दिल्ली क्राइम एन.जी.ओ की नेशनल कोऑर्डिनेटर मीनाक्षी निगम ने करोलबाग तहसील हेड राजीव कुमार को उनकी तहसील हेड के दस्तावेज और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया और उनको उनके कार्य के बारे में अवगत कराया।

दिल्ली क्राइम प्रेस की मीटिंग करते हुए उत्तर प्रदेश के क्रांतिकारी क्षेत्र जनपद मेरठ में शाहिद हसन जी

दिल्ली क्राइम प्रेस की मीटिंग करते हुए उत्तर प्रदेश के क्रांतिकारी क्षेत्र जनपद मेरठ में शाहिद हसन जी के निवास पर दिल्ली क्राइम प्रेस टीम लीडर राजकुमार कश्यप और मुजफ्फरनगर से सत्येंद्र सैनी ट्रेनिंग मीटिंग करते हुए, मीटिंग के बाद राजकुमार कश्यप जी,रिपोर्टर सत्येंद्र सैनी से शपथ पत्र लेकर , दिल्ली क्राइम प्रेस रिपोर्टर कार्ड देते हुए मुजफ्फरनगर से आए हुए एडवोकेट निखिल सैनी ने सभी को विस्तार पूर्वक जानकारी दी और कार्ड रिन्यू कराने का तरीका भी बताया, सभी को यह भी बताया गया कि जिसके कार्ड की डेट समाप्त हो चुकी है वह कहीं भी कार्ड का इस्तेमाल न करें, यदि कोई कार्ड का इस्तेमाल करता हुआ पाया गया तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा, मुजफ्फरनगर में होने वाले 25 दिसंबर को पत्रकार सम्मान समारोह में आने के लिए आमंत्रण भी दिया गया, मीटिंग में मुजफ्फरनगर से रवि शंकर सैनी, महेश प्रजापति, श्रीपाल धीमान, मेरठ से फौलाद कुरैशी, ठाकुर जगदीश सिंह, आदीबा व काफी संख्या में मेरठ के कार्यकताओं ने भाग लिया।

दिल्ली गोलचा सिनेमा नई दिल्ली गेट दिनांक 1 दिसंबर 2024 करीब रात के 1:00 बजे चलते हुए ट्रक में अचानक लगी आग

दिल्ली गोलचा सिनेमा नई दिल्ली गेट दिनांक 1 दिसंबर 2024 करीब रात के 1:00 बजे चलते हुए ट्रक में अचानक से आग लग गई तुरन्त पी.सी.आर कॉल पर फोन करके पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी को बुलाया गया दिल्ली क्राइम एन. जी.ओ की नेशनल कोडिनेटर मीनाक्षी निगम एवं टीम भी मौके पर पहुंची और फायर बिग्रेड कर्मियों का आग बुझाने मैने संयोग किया।

दिल्ली क्राइम के गुरुग्राम ब्रांच ऑफिस मे शानदार लीडर मीटिंग सम्पन हुई।

दिल्ली क्राइम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा नैशनल एन.जी.ओ की मीटिंग चावड़ी बाजार में हुई

दिल्ली क्राइम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा नैशनल एन.जी.ओ की मीटिंग आज चावड़ी बाजार में हुई, मीटिंग में एन.जी.ओ की नेशनल कोऑर्डिनेटर मीनाक्षी निगम व ऑपरेशन हेड मुकेश गुप्ता मौजूद रहे, जिन्होंने दिल्ली क्राइम एन.जी.ओ के बारे में संपूर्ण जानकारी दी।

दिल्ली क्राइम मुजफ्फर नगर से सतिन्द्र सैनी निखिल सैनी शाहिद जी टीम हैड ऑफिस मे राज कुमार सर और अनिल सेठी सर जी के साथ मीटिंग करके जानकारी लेने स्पेशल पधारे।

भागीरथ चौधरी की अनुशंसा एवं प्रयासों से अजमेर संसदीय क्षेत्र को मिली 169.04 करोड़ रुपये की सौगात।

रविवार श्री गुरु नानक देव जी का 555 वें प्रकाश पर्व संत नगर (Extn) तिलक नगर में पूरे हर्ष उल्लास से मनाया गया। श्री गुरू नानक देव जी के गुरु पर्व कीं खुशी मे नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमे गुरबानी कीर्तन सिख मार्शल आर्ट (गतका) लंगर का बहुत ही अच्छे तरीके से आयोजन हुआ। इस मौके पर गुरमीत सिंह (हनी ज़िम), अचलजीत सिंह, जॉली कुलविंदर सिंह विरदी, डॉ गुरमीत सिंह, कवलजीत सिंह जॉली, सुन्दर सिंह, अमित सिंह मोनू, लखबिर सिंह लकी, हरप्रीत सिंह शेरू, मल्होत्रा, हरविंदर सिंह रिंका, सोनू, हनी, जस्कीरत, सतनाम प्रदीप जी, राजा बाज सिंह, गुरदीप सिंह मोनू, हर्षप्रित सिंह सेबी, बहादुर सिंह, तनवीर सिंह, लवली आदि मौजूद थे।

पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशन के सामने जंगल जंबूरी रेस्टोरेंट में लगी आग

राजौरी गार्डन दिल्ली इलाके में एक रेस्तरां में आग लग गई। इस घटना के बाद वहां से लोग कूदकर अपनी जान बचाने लगे। इस दौरान आग की सूचना मिलते ही दमकल की 10 से ज्यादा गाड़ियां आग बुझाने के काम में लगी हुई हैं। राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशन के सामने जंगल जंबूरी रेस्टोरेंट में आग लगी थी। आग दोपहर सवा दो बजे के करीब लगी थी। जिसे बुझाने के लिए मौके पर फायर ब्रीगेड की टीम पहुंची। आग ने आस-पास के दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया था। हादसे के बाद रेस्टोरेंट के अंदर फंसे लोग अपनी जान बचाने के लिए रेस्टोरेंट की छत से दूसरे इमारतों की छतों पर कूद पड़े। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। आग बुझाने का काम तेजी से चल रहा है घटना में किसी के हताहत होने या फिर घायल होने की कोई खबर नहीं है। पुलिस प्रशासन मामले की जांच में जुटी हुई है।

जमीन के लालच में बुआ ने कराई थी, इकलौते भतीजे की हत्या

संवाददाता निखिल सैनी

100 बीघा जमीन के लिए 3 लाख की सुपारी देने वाली बुआ की गिरफ्तारी हेतु पुलिस की तलाश जारी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर की खतौली पुलिस द्वारा दिनांक 14 दिसंबर, दिन शनिवार को हत्या की घटना का सफल खुलासा करते हुए पुलिस ने चार शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है, साथ ही इनके कब्जे से 55 हजार रुपए भी बरामद किए है। गिरफ्तार आरोपियों में ग्राम खेडी रांगडान का अजय उर्फ लुक्का पुत्र जिले सिहं, योगेश पुत्र राज सिहं, परविन्द्र पुत्र कलाराम व जनपद मेरठ के थाना क्षेत्र सरधना के गांव कपसाड का सतीश पुत्र राजकुमार शामिल है। घटना से जुड़े अन्य की तलाश में अभी पुलिस जुटी हुई है। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों से की गई पूछताछ में हत्या का कारण सामने आया जमीन का लालच। दरअसल मृतक वंश अपने पिता की इकलौती संतान था, जिसके नाम करीब 100 बीघा जमीन है। मृतक वंश की 03 बुआ हैं जिनमें से बडी बुआ बबीता जो नारायणा दिल्ली में रहती है, ने इस सम्पत्ति के लालच में अपनी बुआ तारो निवासी ग्राम खेडी रांगडान के पुत्र योगेश के साथ वंश की हत्या कर सम्पत्ति को हडपने की योजना बनायी तथा योगेश के मित्र परविन्द्र को यह लालच देते हुए कि तुम्हारे पुत्र के साथ मैं अपनी बेटी की शादी करुंगी, योजना में शामिल किया गया। इस कार्य के लिए बबीता ने योगेश व परविन्द्र को 03 लाख रुपये भी दिये। योगेश व परविन्द्र ने मेरठ के अपराधी सतीश से सम्पर्क किया और वंश की हत्या के लिए 03 लाख रुपए दिए। सतीश ने अपने भतीजे सूरज को इस योजना में शामिल किया तथा ग्राम खेडी, खतौली के उपेन्द्र से सम्पर्क किया जो वंश की हत्या करने के लिए तैयार हो गया। उपेन्द्र ने अपने साथ अपने ही गांव के अजय उर्फ लुक्का को इस काम के लिए तैयार किया। सतीश ने इन दोनो को 02 लाख रुपये दिये तथा 01 लाख रुपये अपने पास रख लिये। सतीश व सूरज द्वारा कई दिनो तक वंश की रैकी की तथा दिनांक 30 नवंबर को उपेन्द्र व अजय उर्फ लुक्का मोटरसाईकिल से आये तथा सरधना मोड (बुढाना खतौली मार्ग) पर खडे हो गये। वंश अपने मित्र आदित्य के साथ घर से निकला तो सूरज ने इसकी सूचना सतीश को दी ओर जब वंश ने सठेडी पार किया तो सतीश ने इस्की सूचना उपेन्द्र को दी। जैसे ही वंश सरधना मोड से ग्राम सरधन की ओर बढा तो सरधन गांव में घुसने से ठीक पहले अजय उर्फ लुक्का जो मोटरसाईकिल चला रहा था ने मोटरसाईकिल वंश के बगल में लगा दी तथा मोटरसाईकिल पर पीछे बैठे उपेन्द्र ने वंश को तमंचे से गोली मारी और फरार हो गये। गोली लगने से घायल वंश उपरोक्त को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां दौराने उपचार उनकी मृत्यु हो गयी। उपरोक्त घटना के संबंध में एस पी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि दिनांक 30 नवंबर को वादी/मृतक वंश तंवर पुत्र संजय तंवर निवासी ग्राम लोहडडा थाना रतनपुरी, मुजफ्फरनगर द्वारा थाना खतौली पुलिस को अवगत कराया गया कि वह अपने दोस्त आदित्य पुत्र सुरेन्द्र निवासी ग्राम टिटौडा थाना खतौली, मुजफ्फरनगर के साथ अपनी स्पेलण्डर मोटर साईकिल से जा रहा था। मोटर साईकिल को स्वयं चला रहा था तथा ग्राम सरधन में मोटरसाईकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने जान से मारने की नीयत से मेरे पेट में गोली मार दी। जिस सम्बन्ध में थाना खतौली पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया था और घायल वंश तंवर की दौराने उपचार मृत्यु हो जाने के कारण धारा 109 बीएनएस को धारा 103(1)/61(2) बीएनएस में तरमीम किया गया तथा घटना की गम्भीरता को देखते हुए उच्चाधिकारीगण द्वारा घटना के सफल अनावरण हेतु थाना खतौली पर पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा सीसीटीवी कैमरों तथा सर्विलांस की मदद से आज दिनांक 14 दिसंबर को उक्त हत्या के घटना का सफल खुलासा करते हुए थाना खतौली पुलिस ने घटना में शामिल योगेश व परविन्दर को गंग नहरपटरी दूधली कट के पास से तथा अभियुक्त अजय उर्फ लुक्का व सतीश को बन्द पडी सीमेण्ट फैक्ट्री गंग नहर पटरी जंगल ग्राम खेडी रांगडान से गिरफ्तार किया गया। साथ ही वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु थाना खतौली पुलिस टीम द्वारा सार्थक प्रयास किये जा रहे है।

तनीषा ने जीता 67 वें राष्ट्रीय शूटिंग चैपियनशिप

संवाददाता : चंदन सिंह

तनीषा दाबोदिया को उनके उत्कृष्ट प्रदशंन के लिए लोगों ने बधाई दी हैं, जिन्होंने 67वें राष्ट्रीय शूटिंग चैपियनशिप में अलग अलग ईवेंट्स 25 ,10, 50मीटर सीनियर और जूनियर श्रेणी में टीम मैं 2 कांस्य पदक और 2 रजत पदक जीते। संगीता देवी उनकी कोच है और माँ भी उन्होंने कहा तनीषा एक बहुत ही मेहनती लड़की है। यह उपलब्धि विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनके राष्ट्रीय स्तर पर चौथी बार लगातार राष्ट्रीय मेडलिस्ट बनी है, जो न केवल उनकी असाधारण प्रतिभा बल्कि उनकी प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प को भी दशार्ता हैं। उन्होंने कहा तनीषा की सफलता मेहनत और समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण हैं जिसे उन्होंने द्वारका स्थित एम पॉइंट शूटिंग अकादमी की प्रशिक्षक संगीता देवी के मार्गदर्शन में हासिल किया है। न्यू ऐरा पब्लिक स्कूल द्वारका का समर्थन भी उनके कौशल को विकसित करने और शूटिंग के प्रति उनके जुनून को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, हम यह घोषणा करते हुए उत्साहित हैं कि तनीषा। भारत टीम ट्रायल के लिए चयनित हुई हैं, जो 1 फरवरी से भोपाल में शुरू हो रहा है। उनका प्रदर्शन दबाव में कौशल और संयम दोनों दशार्ता है, ये गुण निश्चित रूप से उन्हें आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। जैसे ही वह इस आशाजनक यात्रा पर निकलती हैं, हमें भविष्य में उनके अधिक सफलताओं को देखने की उम्मीद है।

केजरीवाल के 'महिला सम्मान योजना' सच या फिर चुनावी जुमला

संवाददाता : चंदन सिंह

दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग ने आज के सभी हिन्दी और अंग्रेजी भाषा के अखबारों में एक विज्ञापन जारी किया है जिनमें ये लिखा है कि महिला सम्मान योजना और संजीवनी योजना अब तक अधिसूचित नहीं हुई है और इसलिए इन सभी योजनाओं के नाम पर लोगों को गुमराह होने से बचना चाहिए।

DELHI CRIME 1-31 jan2025:Layout 1 1/9/2025 4:16 PM Page 5

राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली के साथ बैठक

शहीद भगत सिंह समाज सेवा सोसायटी ने राष्ट्रीय महिला आयोग (भारत सरकार) नई दिल्ली से मुलाकात की। भारत में 10 साल से कम उम्र की नाबालिग मासूम बच्चियों के साथ हो रहे रेप, कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुये बलात्कार और हत्या के बारे में आयोग की सदस्य ममता कुमारी जी से चर्चा हुई। कमीशन की मेंबर साहिबान ने ऐसे मुद्दों से निपटने के लिए बहुत अच्छे तरीके से मार्गदर्शन किया. उन्होंने कहा कि समाज से इन बुराइयों को दूर करने के लिए लोगों को जागरूक करना बहुत जरूरी है जिसमें समाज सेवी संस्थाएं अहम भूमिका निभा सकती हैं। इस अवसर पर शहीद भगत सिंह समाज सेवा सोसायटी के अध्यक्ष जगदीश सिंह चाहल और न्याय एवं अधिकार समिति नई दिल्ली के सदस्य अरविंद प्रभाकर ने आयोग की सदस्य को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने भारत के माननीय राष्ट्रपति और प्रमुख न्यायाधीश (चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया) से अपील की इन बलात्कारीयों को केवल और केवल फाँसी की सजा देनी चाहिए।

फरीदाबाद गोविंद राणा

फरीदाबाद में CHRISTMAS धूम धाम से मनाया गया। और उसके बाद दिल्ली क्राइम प्रेस के बारे में जानकारी दी और नए लोगों का दिल्ली क्राईम प्रेस मै स्वागत किया और उन्हें उनकी वेलकम कीट प्रदान की।

कर्नाटक सरकार ने बस किराए में की बढ़ोतरी, 5 जनवरी से देना होगा 15 प्रतिशत ज्यादा किराया

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने बस किराए में बढ़ोतरी की है। यह दर पांच जनवरी से लागू होगी। ऐसे में अब राज्य में यात्रियों को वर्तमान किराये में 15 प्रतिशत ज्यादा किराया भुगतान करना पड़ेगा। कर्नाटक के कानून एंव संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने गुरुवार को हुई कैबिनेट की मीटिंग के बाद इसका ऐलान किया। उन्होंने बताया कि कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम, उत्तर पश्चिमी सड़क परिवहन निगम और कल्याण कर्नाटक सड़क परिवहन निगम में 2020 के बाद से यह पहली किराया वृद्धि है जबकि बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोट कारपोरेशन का किराया 2014 के बाद बढ़ेगा।

उन्होंने बताया कि सभी चार राज्य परिवहन निगमों- कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम, कल्याण कर्नाटक सड़क परिवहन निगम, उत्तर पश्चिमी कर्नाटक सड़क परिवहन निगम और बेंगलुरु महानगर परिवहन निगम के बस किराए में 15 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है, जो 05 जनवरी से प्रभावी होगी। पाटिल ने कहा कि किराया वृद्धि से चार आरटीसी का मासिक राजस्व 74.85 करोड़ रुपये बढ़ जाएगा। उन्होंने दावा किया कि किराया वृद्धि के बाद भी कर्नाटक में बस टिकट की कीमतें आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र की तुलना में कम होंगी। किराया वृद्धि से आरटीसी कर्मचारियों की शायद टल सकती है। उन्होंने पहले दिसंबर को अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की धमकी दी थी।

बांग्लादेशियों के लिए रेड कार्पेट बिछाती हैं ममता, बाद में राजनीति करते हैं अभिषेक : गिरिराज सिंह

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर सियासत गरमा गई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार पहले बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए रेड कार्पेट बिछाती है और बाद में तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी इस पर राजनीति करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने गुरुवार को उत्तर 24 परगना जिले के एक कार्यक्रम में कहा कि वोट बैंक की राजनीति के लिए ममता बनर्जी रोहिंग्या मुसलमानों और अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को संरक्षण दे रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल अब बांग्लादेशी घुसपैठियों का गढ़ बन चुका है। गिरिराज सिंह ने कहा, "यह हास्यास्पद है कि ममता सरकार बांग्लादेशियों को बढ़ावा देती है और फिर उनके नेता इसे राजनीतिक रंग देते हैं।" गिरिराज सिंह ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे का समाधान निकाला जाएगा और भारत सरकार इसे नजरअंदाज नहीं करेगी। ममता बनर्जी का पलटवारमुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गिरिराज सिंह के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सीमा की सुरक्षा भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हाथ में है, जो केंद्र सरकार के तहत काम करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएसएफ की गलतियों को छिपाने के लिए तृणमूल कांग्रेस को निशाना बनाया जा रहा है। ममता बनर्जी ने कहा, "अगर सीमा पर घुसपैठ हो रही है, तो यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। तृणमूल कांग्रेस इन आरोपों को सिरे से खारिज करती है।" अभिषेक बनर्जी का बयानडायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी ने भी भाजपा पर निशाना साधा।

"सार्वजनिक सूचना"

मैं, पारस कुमार, पिता श्री राज कुमार, निवासी ए-65, गली नंबर 5, जगत पुरी, कृष्णा नगर, दिल्ली-110051, निम्नलिखित रूप से शपथपूर्वक घोषणा करता/करती हूँ:

1. कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करता/करती हूँ।
2. कि मैं भारतीय नागरिक हूँ।
3. कि मेरी सभी शैक्षिक दस्तावेज़ों में मेरा नाम "पारस" के रूप में दर्ज है, जबकि मेरे आधार कार्ड, वोटर आई-कार्ड, बैंक पासबुक और पैन कार्ड में मेरा नाम "पारस कुमार" के रूप में दर्ज है।
4. कि मेरा सही और वास्तविक नाम "पारस कुमार" है।
5. कि मैं यह घोषणा करता/करती हूँ कि "पारस कुमार" और "पारस" एक ही व्यक्ति हैं और दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।
6. यह मेरी सत्य और सही घोषणा है।

I, PARAS KUMAR S/O SHRI RAJ KUMAR R/O A-65, STREET NO. 5, JAGAT PURI, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051, do hereby solemnly affirm and declare as under:-

That 1 am residing at said above mentioned address.

That I am citizen of Indian.
That in my all education documents record mentioned my name PARAS and my aadhar card, voter I-Card, Bank Passbook, pan card mentioned my name as PARAS KUMAR but my actual and correct name is PARAS KUMAR.

That I hereby declare that PARAS KUMAR and PARAS are one person and both name are of the same person.

महिला की चाकू से गोदकर हत्या

गोरहार के लगनवा में घटनास्थल पर लगी भीड़ और मौजूद पुलिस बरकट्ठा प्रतिनिधि गोरहर थाना क्षेत्र के लगनवा में विवाहिता की हत्या की गई हत्या बताया जाता है की हत्या रविवार के रात में हुई है।

कृष्णा नगर में किया गया दिल्ली क्राइम प्रेस की मीटिंग का अयोजन

दिल्ली क्राइम की टीम लीडर बिन्दू जी कविता जी ने ममता जी घर कृष्णा नगर नई दिल्ली मे मीटिंग का आयोजन कर के नई टीम को दिल्ली क्राइम के बारे में बताया।

GSTIN 07EWAPR9106J1Z7
Mobile No : 9266405574
7217689891

ZEENAT ENTERPRISES
QUALITY WITHOUT COMPROMISE

Men Trousers Manufacturer
Cotton/Denim/Formal

Address : H No. Z-445, Basement, Ground and First Floor, Gali No. 8, Prem Nagar-II, Kirari Suleman Nagar, Delhi - 110086

हमारे नवीनतम रिपोर्टर

प्रहलाद गोपाल खर्चे (महाराष्ट्र)

आशीष गोयल (दिल्ली)

स्वाति गोयल (दिल्ली)

लियोनार्डो बराल (पश्चिम बंगाल)

दिलीपकुमार हीराभाई सोलंकी (गुजरात)

नेमचंद (संभल)

आशीष शुक्ला (उन्नाव)

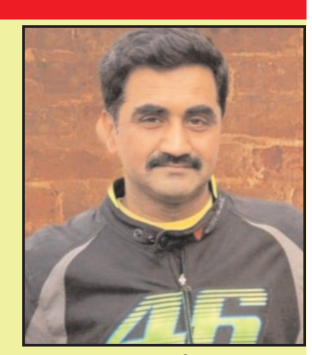
विपिन दीवान (दिल्ली)

ओम शुक्ला (उत्तर प्रदेश)

रूप सिंह (दिल्ली)

राम अवध विश्वकर्मा (कुशीनगर)

राकेश कुमार वर्मा (उत्तर प्रदेश)

संतोष कुमार झा (दिल्ली)

सतेंद्र सैनी (मुजफ्फरनगर)

सोनावणे सुजीत यादवराव (नासिक)

गोपाल सिंह (बिजनौर)

हमारे नए अचीवर

राजकुमार कश्यप
जोनल एडवाइजर

चंदन सिंह
जोनल एडवाइजर

वीरेंदर सिंह
एरिया एडवाइजर

पंकज दास
एरिया एडवाइजर

गोपाल सिंह
एरिया एडवाइजर

पूनम शर्मा
एरिया एडवाइजर

विनित मिश्रा
न्यूज सपोर्टर

ताबिश इमरान
न्यूज सपोर्टर

सुनील सिंह
न्यूज सपोर्टर

सोनू कुमार
न्यूज सपोर्टर

राम बली सिंह
न्यूज सपोर्टर

कैलाश मलिक
न्यूज सपोर्टर

ज्योति
न्यूज सपोर्टर

चंदन कुमार
न्यूज सपोर्टर

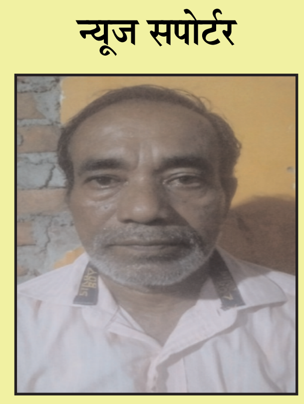
बिरिन दास
न्यूज सपोर्टर

विष्णु डी सुरुपुर
न्यूज सपोर्टर

नीतीश और सुंदर ने बनाया रिकार्ड

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेट टीम के दो नये क्रिकेटरों नीतीश रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में 127 रनों की साझेदारी कर एक भारतीय टीम को मैच में वापसी कराने के साथ ही एक नया रिकार्ड भी बनाया। 147 साल के टेस्ट इतिहास में पहली बार हुआ है जब आठवें और नौवें नंबर के बल्लेबाजों ने इतनी बड़ी साझेदारी बनायी है। नीतीश ने इस मैच में नाबाद 105 रन बनाये जबकि सुंदर 50 रन बनाकर आउट हुए।। नीतीश ने सुंदर के साथ आठवें विकेट के लिए 127 रन की साझेदारी निभाई। सुंदर और नीतीश दोनों ने 150-150 गेंद खेलीं। टेस्ट क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ जब किसी टीम के आठवें और नौवें नंबर के बल्लेबाज ने 150 से अधिक गेंदें खेली हों। दोनों ने संयुक्त रूप से 285 गेंदें खेलीं। सुंदर 162 गेंद में एक चौके की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए।

खो खो विश्व कप के आयोजन में आर्थिक सहायता प्रदान करेगी उत्तर प्रदेश सरकार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार खो खो विश्व कप के आयोजन ने आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) और विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल को मुलाकात के दौरान आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। खो खो विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि उन्होंने गुरुवार को मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 13 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में खो खो वर्ल्ड कप के उद्घाटन समारोह के अवसर पर आमन्त्रित किया है। मित्तल ने नोएडा खेल स्टेडियम में खो-खो विश्व कप के मैचों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा इस उत्तर प्रदेश सरकार की खेल नीतियों की वजह से देश के सबसे बड़े राज्य में इस खेल को प्रोत्साहन मिला है जिससे इसके विकास की सम्भावनाएँ बढ़ गई हैं। उन्होंनें कहा कि खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया उत्तर प्रदेश में खो खो को प्रमोट करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम करेगी जिससे खो खो को ओलिंपिक और एशियाई खेलों में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

महिला एशेज से बाहर हुई ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स इंग्लैंड के खिलाफ 12 जनवरी से शुरू होने वाले वनडे मैचों के साथ मल्टी-फॉर्मेट महिला एशेज के दौरान एक्शन में नहीं दिखेंगी। मोलिनक्स, जिन्होंने इस महीने की शुरूआत में मेलबर्न रेनेगेड्स को महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) खिताब दिलाया था, घुटने की समस्या से जूझ रही थीं। हाल ही में भारत के साथ सीरीज के बाद उन्हें दर्द हुआ और पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड में तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गईं। अब उन्हें घुटने की सर्जरी करानी होगी, जिससे वह कुछ समय के लिए आराम कर सकेंगी। टीम की फिजियोथेरेपिस्ट केट बीरवर्थ ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, "सोफी मोलिनक्स अगले महीने अपने बाएं घुटने की सर्जरी करवाएंगी, जिसके बाद हम वापसी की अनुमानित तारीख के बारे में जानकारी देंगे।" ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली भी घुटने की चोट से जूझ रही हैं, जिसके कारण उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज से बाहर बैठना पड़ा। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए लौटीं, लेकिन उन्होंने उन वनडे मैचों में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं ली - उन्होंने यह जिम्मेदारी बेथ मूनी को सौंप दी। यह देखना अभी बाकी है कि वह एशेज में यह जिम्मेदारी संभालती हैं या नहीं।" क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की परफॉर्मेंस हेड (महिला क्रिकेट) और राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, "एलिसा हीली को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते हुए देखना सुखद था और वह अच्छी लय में दिखीं, साथ ही कई बल्लेबाजों ने भारत के खिलाफ हाल ही में खेली गई सीरीज से अपनी मजबूत फॉर्म जारी रखी।" ऑस्ट्रेलिया ने जॉर्जिया वोल को भी एशेज सीरीज के लिए पहली बार बुलाया है, क्योंकि उसने भारत के खिलाफ तीन मैचों में 173 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक भी शामिल है। हीली के बाहर होने के बाद उसे भारत सीरीज के लिए शामिल किया गया था। फ्लेगलर ने कहा, "हालांकि जॉर्जिया वोल न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेली, लेकिन उसने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शानदार शुरूआत की है और अपनी पहली एशेज सीरीज में जरूरत पड़ने पर वह बल्लेबाजी के लिए मजबूत विकल्प होगी।" 12 से 17 जनवरी तक वनडे और 20 से 25 जनवरी तक टी20 मैचों के बाद, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड 30 जनवरी से एमसीजी में एक ऐतिहासिक टेस्ट मैच खेलेंगे। यह इस स्थल पर पहला डे-नाइट मैच होगा और 1948-49 के बाद से यहां पहला महिला टेस्ट होगा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक इस टेस्ट के लिए टीम की घोषणा नहीं की है। ऑस्ट्रेलिया टीम (वनडे और टी20): एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस (केवल टी20), अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ (उपकप्तान), बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन स्कट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

मेलबर्न टेस्ट : नीतीश-सुंदर ने दिलाई भारत को वापसी, चायकाल तक भारतीय टीम ने 7 विकेट पर बनाए 326 रन

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां चल रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के तीसरे दिन चायकाल तक भारत ने अपनी पहली पारी में 7 विकेट पर 326 रन बना लिए हैं। नीतीश रेड्डी 85 और वाशिंगटन सुंदर 40 रन बनाकर खेल रहे हैं। भारतीय टीम पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया से अभी भी 148 रन पीछे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। भारतीय टीम तीसरे दिन आज अपने कल के स्कोर 5 विकेट पर 164 रन से आगे खेलना शुरू की। कल के अविजित बल्लेबाज ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने संभलकर पारी को आगे बढ़ाना शुरू किया, हालांकि पंत 191 के कुल स्कोर पर बोलैंड का शिकार बने। पंत ने 28 रन बनाए। रवींद्र जडेजा भी 221 के कुल स्कोर पर लियोन का शिकार बने। जडेजा ने 17 रन बनाए।

नीतीश रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने दिलाई भारत को वापसी – 221 रन पर 7 विकेट खोकर भारतीय टीम मुश्किल में फंस गई थी और ऐसा लग रहा था कि भारत फॉलोआन खेलेगा, लेकिन यहां से नीतीश रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर भारत को न सिर्फ फॉलोआन से बचाया, बल्कि मैच में वापसी भी दिला दी। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले पुरानी और फिर नई गेंद को भी संभलकर खेला और भारत को पहली बार श्रृंखला में तीन सौ के पार पहुंचाया। नीतीश ने इस दौरान अपना अर्धशतक भी पूरा किया। दोनों आठवें विकेट के लिए अब तक 105 रन जोड़ चुके हैं। चायकाल की घोषणा होने पर नीतीश 85 और सुंदर 40 रन बनाकर खेल रहे हैं।

दूसरे दिन के खेल की झलक – दूसरे दिन के खेल की समाप्ति पर भारत ने 5 विकेट पर 164 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने पर ऋषभ पंत 6 और रवींद्र जडेजा 4 रन बनाकर नाबाद थे। भारत की पहली पारी की शुरूआत खराब रही और कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर कमिंस का शिकार बने। रोहित इस मैच में यशस्वी जयसवाल के साथ पारी की शुरूआत करने उतरे थे। रोहित के आउट होने के बाद केएल राहुल और जयसवाल ने भारत की पारी को 50 के पहुंचाया। हालांकि चायकाल से ठीक पहले 51 के कुल स्कोर पर राहुल पैट कमिंस का दूसरा शिकार बने। राहुल ने 24 रन बनाए।

कोहली-जयसवाल ने तीसरे विकेट के लिए की 102 रन की साझेदारी – राहुल के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने उतरे विराट कोहली ने संभलकर खेलना शुरू किया और यशस्वी जयसवाल के साथ मिलकर भारत का स्कोर 150 के पार पहुंचाया। हालांकि 153 के कुल स्कोर पर जयसवाल दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हो गए। जयसवाल ने 118 गेंदों पर 11 चौके और 1 छक्के की बदौलत 82 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। आउट होने से पहले उन्होंने विराट के साथ 102 रनों की साझेदारी की। जयसवाल के आउट होने के बाद कोहली भी चलते बने। कोहली को बौलैंड ने अपना शिकार बनाया। कोहली ने 36 रन बनाए। नाइटवाच मैन केरूप में उतरे आकाशदीप भी कुछ खास नहीं कर सके और 159 के कुल स्कोर पर बिना खाता खोले बोलैंड का दूसरा शिकार बने। इसके बाद जडेजा और पंत ने दिन का खेल खत्म होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। जडेजा 4 और पंत 6 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओऱ से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 474 रन,

स्मिथ का शतक – इसके पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। इन चारों के अलावा पैट कमिंस (49) और एलेक्स कैरी (31) ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेलीं।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, रवींद्र जडेजा ने 3, आकाशदीप ने 2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

पीकेएल 11: पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली को हराया, फाइनल में हरियाणा स्टीलर्स से होगा सामना

पुणे। पटना पाइरेट्स ने शुक्रवार रात श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी में प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 में दबंग दिल्ली के 15 मैचों से चले आ रहे अपराजेय अभियान को रोकते हुए फाइनल में जगह बना ली। पटना ने दिल्ली को 32-28 से हराया। पाइरेट्स ने मैच की शुरूआत जोरदार तरीके से की और देवांक दलाल और अयान लोहचब की जोड़ी के दम पर दिल्ली पर हमला किया और 10 मिनट के बाद पांच अंकों की बढ़त ले ली। मैट पर आखरी खिलाड़ी तक पहुंचने के बाद, दिल्ली के सुपर-सब मोहित ने दूसरे चरण के शुरूआती चरण में अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखने के लिए तीन अंकों की रेड की। तीन बार के चैंपियन पाइरेट्स ने आखिरकार दिल्ली पर जोरदार हमला किया, जिससे उनका दबदबा और मजबूत हुआ और 15 मिनट के बाद उनकी बढ़त 12-8 के अंतर तक पहुंच गई। हाफ-टाइम तक पाइरेट्स ने अपने विरोधियों पर सात अंकों की महत्वपूर्ण बढ़त बनाए रखी, जिससे संभावित निर्णायक जीत की स्थिति बन गई। हालांकि, अपने करिश्माई कप्तान से प्रेरित दिल्ली ने शानदार वापसी की। इसके डिफेंस ने भी महत्वपूर्ण योगदान देना शुरू कर दिया, जिससे पाइरेट्स की रेडिंग यूनिट पर भारी दबाव पड़ा। सीजन आठ की चैंपियन दिल्ली ने अपने ऑल-आउट के साथ अंतिम चरण की शुरूआत की, जिससे अंतर नाटकीय रूप से घटकर मात्र एक अंक रह गया। कीमती मिनट बचे होने पर स्कोर 27-27 पर था, जिससे गहन सस्पेंस का माहौल बन गया। एक महत्वपूर्ण करो या मरो रेड में, अयान ने योगेश पर एक सफल टच किया, जिससे पाइरेट्स को मामूली बढ़त मिली। इसके बाद उन्होंने गति का लाभ उठाते हुए मैच के अंतिम रेड में दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए, जिससे उनकी टीम की जीत सुनिश्चित हो गई। दिल्ली के लिए आशु ने नौ अंक लेकर अहम योगदान दिया, जबकि मोहित ने सात अंक बनाकर प्रभावित किया। हालांकि, इसके डिफेंस ने पाइरेट्स की रेडिंग यूनिट को रोकने के लिए संघर्ष किया, खासकर पहले हाफ में, जो अंततः हार का एक महत्वपूर्ण कारक साबित हुआ। पटना स्थित इस टीम ने मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन किया और 12 टैकल पॉइंट अर्जित किए। लेफ्ट-कॉर्नर डिफेंडर शुभम शिंदे ने डिफेंसिव प्रयासों में पांच अंक का योगदान देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पाइरेट्स अब अपने चौथे पीकेएल खिताब के लिए प्रयास करेंगे जब उनका सामना रविवार को ग्रैंड फिनाले में हरियाणा स्टीलर्स से होगा।

वाशिंगटन सुंदर ने आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ का जताया आभार

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेटर वाशिंगटन सुंदर ने उनकी क्षमताओं पर अटूट विश्वास रखने के लिए मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया है। सुंदर ने शनिवार को बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के तीसरे दिन शानदार अर्धशतक लगाया। मेलबर्न में पोस्ट-डे प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुंदर ने कहा, "ईमानदारी से कहूं तो मैं बहुत खुश हूं और गौती भाई [गंभीर] और सभी सहयोगी स्टाफ ने मुझ पर विश्वास बनाए रखा और मुझे बताते रहे कि मैं क्या करने में सक्षम हूं, खासकर इस स्तर पर, इस प्रारूप में। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है, इससे मुझे विश्वास होता है कि मैं इस प्रारूप में भारतीय टीम के लिए विशेष चीजें कर सकता हूं।" अपने प्रदर्शन पर सुंदर ने कहा, "निश्चित रूप से एक अच्छा दिन था, अगर मैं कुछ और रन बनाता और अपना विकेट नहीं खोता तो और भी बेहतर होता, लेकिन हाँ, मुझे लगता है कि हम आज अच्छी स्थिति में हैं।" सुंदर का महत्वपूर्ण अर्धशतक भारतीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण में आया, जिसमें उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी के साथ 127 रनों की उल्लेखनीय साझेदारी की। उनके प्रयासों ने पारी को स्थिर करने में मदद की, 50 रनों की शानदार पारी खेलने के बाद अंतः वह नाथन लियोन की गेंद पर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलने की चुनौती को लेकर सुंदर ने कहा, "मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, चाहे कुछ भी हो।" भारत ने बॉक्सिंग डे टेस्ट में जोरदार वापसी की, फॉलो-ऑन के मंडराते बादल को हराया और ऑस्ट्रेलियाई बढ़त को काफी कम कर दिया। तीसरे दिन के अंत तक, भारत ने 9 विकेट पर 358 रन बना लिए हैं, जिसमें रेड्डी मोहम्मद सिराज के साथ नाबाद थे। रेड्डी ने 176 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 105 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 59.66 रहा। रेड्डी ने 171 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और सचिन तेंदुलकर और ऋषभ पंत के बाद ऑस्ट्रेलिया में पहला टेस्ट शतक बनाने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के भारतीय बन गए। तेंदुलकर ने 1992 में 18 साल और 256 दिन की उम्र में अपना पहला शतक बनाया था, जबकि पंत ने 2019 में सिडनी में 21 साल और 92 दिन की उम्र में अपना शतक बनाया था। रेड्डी 21 साल और 216 दिन की उम्र में इस विशिष्ट समूह में शामिल हो गए हैं।

पर्थ में यूनाइटेड कप टेनिस टूनार्मेंट में ब्राजील की बियेट्रिज हेडेड रिटर्न शॉट लगाती हुई। (फोटो)

ऋषभ के खराब शॉट खेलकर विकेट गंवाने पर भड़के गावस्कर

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने ऋषभ पंत के खराब शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाने पर नाराजगी जतायी है। ऑस्ट्रेलिया के साथ बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन ऋषभ 36 गेंदों में 28 रन बनाकर खेल रहे थे। तभी उन्होंने स्कॉट बोलैंड की एक गेंद पर बड़ा शॉट लगाने का प्रयास किय पर गेंद उनके बल्ले पर सही से नहीं आई और हवा में पहुंच गयी। नाथन लियोन ने आसानी से कैच लेकर ऋषभ की पारी समाप्त कर दी। ऋषभ के इस प्रकार लापरवाही से शॉट लगाकर आउट होने से गावस्कर भड़क गये। इस दौरान कमेंट्री कर रहे गावस्कर ने इस प्रकार खेलने के लिए ऋषभ को जमकर फटकारा। गावस्कर ने कहा, जिस जगह दो फील्डर हों वहां पर आप ऐसा शॉट कैसे खेल सकते हैं? आप पिछला शॉट मिस कर चुके थे और देखो आप कहां कैच आउट हुए हो। आप डीप थर्ड मैन पर कैच आउट हुए हो। यह अपना विकेट फेंकने जैसा ही है। गावस्कर ने साथ ही कहा, आपको मैच के हालात को भी समझना होगा। आप यह नहीं कह सकते कि यह आपका स्वाभाविक खेल है। मुझे माफ करना। यह आपका स्वाभाविक खेल नहीं है। यह एक बेवकूफी भरा शॉट है। यह अपनी टीम को बुरी तरह निराश करना है। उन्हें उस ड्रेसिंग रूम में नहीं जाना चाहिए। उसे दूसरे ड्रेसिंग रूम में जाना चाहिए। ऋषभ ने इस मैच में 37 गेंदों पर तीन चौकों की सहायता से 28 रन बनाए। इस सीरीज में अब तक वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं और 37 से अधिक रन नहीं बना पाये हैं।

विराट के बिना सीरीज में रोमांच नहीं रहेगा : पीटरसन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन खराब फार्म से जूझ रहे भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के बचाव में सामने आये हैं। पीटरसन ने कहा कि विराट के बिना सीरीज का मजा समाप्त हो जाएगा। विराट इस सीरीज के चौथे टेस्ट की पहली पारी में भी 36 रन ही बना पाये। इससे पहले भी सीरीज में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। वह केवल एक शतक ही लगाने में सफल हुए हैं। पीटरसन ने कहा कि विराट जिस प्रकार से मैदान में उग्र रवैया अपनाते हैं उससे खेल में रोमांच बढ़ जाता है। चौथे टेस्ट के शुरूआती दिन कोहली ऑस्ट्रेलियाई के युवा सैम कोनस्टास से टकरा गए थे। 19 साल के कोन्स्टास की इस मामले में उनसे बहस भी हुई पर अंपायर के बीच में आने से मामला आगे नहीं बढ़ा। पीटरसन ने सोशल मीडिया पर लिखा, विराट के बिना मैच उबाऊ होगा, उन्होंने अपने करियर में अपने रनों से सब कुछ हासिल किया है। कई लोग अपने सफल अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत उन्होंने जो हासिल किया है उसके एक-चौथाई के साथ करेंगे। आईसीसी ने कोहली पर मैच फीस का 20 फीसदी जुमार्ना लगाया और उन्हें इस घटना के लिए एक डिमेरिट अंक दिया। हालाँकि जुमार्ना अपेक्षाकृत हल्का था, इस घटना ने राय को विभाजित कर दिया, कुछ ने कोहली की आक्रामकता की निंदा की और अन्य ने इसे उनकी प्रतिस्पर्धी भावना के हिस्से के रुप में बताया।

DELHI CRIME 1-31 jan2025:Layout 1 1/9/2025 4:16 PM Page 7

फर्टिलाइजर पर जारी रहेगी सब्सिडी, 1350 रुपए में ही मिलेगा डीएपी खाद का बैग

-केंद्र सरकार ने नए साल के पहले दिन किसानों के हक में लिए बड़े फैसले

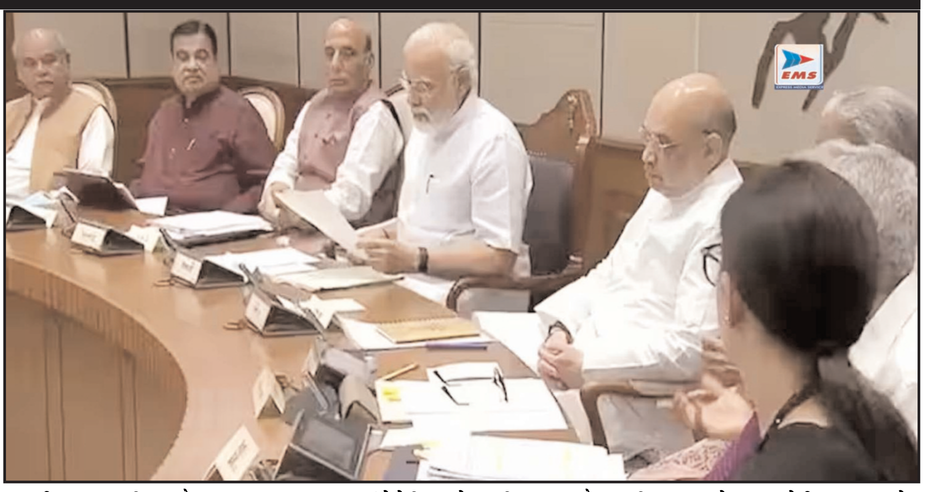

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नए साल के पहले दिन किसानों के लिए बड़े फैसले किए हैं। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने को मंजूरी दे दी है। इसके साथ फर्टिलाइजर पर सब्सिडी जारी रहेगी। डीएपी खाद का 50 किलोग्राम का बैग 1350 रुपए में ही मिलता रहेगा। कैबिनेट ने डीएपी खाद बनाने वाली कंपनियों को 3850 करोड़ की अतिरिक्त सब्सिडी देने का ऐलान किया है। फसल बीमा योजना का आवंटन बढ़ाकर 69516 करोड़ रुपए कर दिया है। फसल बीमा न देने पर पेनल्टी नहीं लगेगी। इसके अलावा कैबिनेट ने कृषि जगत में इनोवेशन और टेक्नोलॉजी को विस्तार देने के लिए 824.77 करोड़ रुपए के बजट का भी आवंटन किया है।

कैबिनेट ने वेदर इंफॉर्मेशन से जुड़े प्रोजक्ट पर भी मंजूरी दी है। मौसम सूचना और नेटवर्क डेटा सिस्टम में ब्लॉक स्तर पर ऑटोमेटिक वेदर सिस्टम और पंचायत स्तर पर ऑटोमेटिक रेन गेज स्थापित किए जाएंगे। 9 प्रमुख राज्य में यह प्रोजेक्ट लागू करने की प्रक्रिया में हैं जिसमें केरल, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पुडुचेरी, असम, ओ-डिशा, कर्नाटक, उत्तराखंड और राजस्थान शामिल हैं, अन्य राज्यों ने भी इसे लागू करने की उनके राज्या इच्छा जाहिर की है।

ओवैसी की याचिका पर 17 फरवरी को सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी की पूजा स्थल कानून से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। ओवैसी ने याचिका में 1991 के प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट (पूजा स्थल कानून) को लागू करने की मांग की है। कानून के मुताबिक, 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिा संजय कुमार की बेंच ने आदेश दिया कि ओवैसी की नई याचिका को इस मामले पर लंबित अन्य 6 मामलों के साथ जोड़ा जाए। इस पर 17 फरवरी को सुनवाई होगी।

पश्चिम बंगाल में एबीटी सदस्य की गिरफ्तारी से दुबई कनेक्शन का खुलासा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने बांग्लादेश स्थित आतंकी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के एक प्रमुख सदस्य साजिदुल इस्लाम की गिरफ्तारी के बाद उसके दुबई कनेक्शन का पता लगाया है। इस्लाम को 30 दिसंबर को मुर्शिदाबाद जिले के नवादा इलाके से पश्चिम बंगाल पुलिस की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और असम पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में गिरफ्तार किया गया था। असम पुलिस को ट्रांजिट रिमांड पर सौंपे गए इस्लाम के बारे में जानकारी साझा की गई है। सूत्रों के अनुसार, साजिदुल इस्लाम नवादा में एक बढ़ई के रूप में रह रहा था, लेकिन वह अक्सर अपने निवास से गायब रहता था। पड़ोसियों को उसने अपनी अनुपस्थिति का कारण पेशे से संबंधित काम बताया था। एक अधिकारी ने यह भी बताया कि इस्लाम अक्सर बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा वाले राज्यों का दौरा करता था। पिछले साल अक्टूबर में उसने दुबई की दो यात्राएं कीं। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अब यह जांच कर रही हैं कि क्या उसकी दुबई यात्रा एबीटी से जुड़े किसी मिशन का हिस्सा थी। उसका संबंध एबीटी के एक और वांछित सदस्य शाद रदी उर्फ शब शेख से है, जो हाल ही में केरल से गिरफ्तार हुआ था। शाद रदी के पास मुर्शिदाबाद जिले के कांदी और हरिहरपाड़ा विधानसभा क्षेत्रों से जारी दो मतदाता पहचान पत्र पाए गए थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार एबीटी के सदस्य मुर्शिदाबाद और नदिया जैसे जिलों में सक्रिय होने की कोशिश कर रहे हैं। इन जिलों की अंतरराष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश के साथ जुड़ी है, जो आसान घुसपैठ का रास्ता बनती है। जानकारी मिली है कि एबीटी के सदस्य सीमावर्ती गांवों के युवाओं को प्रभावित कर उन्हें स्लीपर सेल में शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में, खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों ने सीमा से सटे गांवों में सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया है। इन गांवों में बाहरी लोगों के अचानक किराए पर रहने की घटनाओं को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस ने घर मालिकों को निर्देश दिया है कि वे किसी भी बाहरी व्यक्ति को बिना जांच-पड़ताल के किराए पर जगह न दें और स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना जरूर दें।

महबूबा मुफ्ती ने मुख्यमंत्री से जम्मू-कश्मीर में मीडिया आउटलेट्स के सामने आने वाली समस्याओं पर गौर करने का किया आग्रह

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आज मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से जम्मू-कश्मीर में मीडिया आउटलेट्स के सामने आने वाली समस्याओं पर गौर करने का आग्रह किया। उन्होंने दावा किया कि सूचना विभाग अधिकांश समाचार आउटलेट्स को विज्ञापन देना बंद कर रहा है जबकि वरिष्ठ पत्रकार अभी भी मान्यता नवीनीकरण का इंतजार कर रहे हैं। एक्स के माध्यम से महबूबा कहा कि लोकप्रिय सरकार को सत्ता में आए तीन महीने से ज्यादा हो गए हैं फिर भी सूचना विभाग अधिकांश समाचार आउटलेट्स को विज्ञापन देना बंद कर रहा है। इसके अलावा वरिष्ठ पत्रकार मान्यता नवीनीकरण का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं उमर साहब से आग्रह करती हूं कि वे हस्तक्षेप करें और इन दबावपूर्ण मुद्दों को संबोधित करें ताकि प्रेस स्वतंत्र रूप से और बिना किसी अनुचित प्रभाव के काम कर सके।

केजरीवाल जो कहते हैं वो कभी करते नहीं : भाजपा

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी ने नए साल के पहले दिन अरविंद केजरीवाल द्वारा किए गए 10 वादों को लेकर घेरा। भाजपा ने केजरीवाल पर गिरगिट की तरह रंग बदलने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने जो वादे किए उसे भी 10 सालों में पूरा नहीं किया। वे जो कहते हैं, करते नहीं हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में 10 वादे गिनाते हुए कहा कि केजरीवाल ने बिजली की दरें कम करने, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, शिक्षा प्रणाली में सुधार करने, स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने, स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करने, लैंडफिल हटाने, महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने, झुग्गीवासियों के लिए आवास, असुरक्षित बिजली के तारों से राहत का वादा किया और यमुना को साफ करने का भी वादा किया था। इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं किया गया। उनके कार्यकाल के 10 साल के बाद स्थिति ऐसी है कि 23 जुलाई 2024 को इन तारों के कारण एक 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। उन्होंने वादा किया था कि वे कूड़े के ढेर साफ करेंगे। हालांकि, बताया जा रहा है कि दिल्ली में कूड़े के ढेर की ऊंचाई 8 मीटर बढ़ गई है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के हर वरिष्ठ नेता को भ्रष्टाचार के लिए जेल जाना पड़ा है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और संसद में पार्टी के नेता, तीनों ही जेल जा चुके हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पहले कभी इतना विविध भ्रष्टाचार नहीं देखा गया होगा। उनके स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग के लिए, अमानतुल्लाह खान को वक्फ बोर्ड में घोटाले के लिए, नरेश बाल्यान को माफिया से संबंधों के लिए जेल भेजा गया। भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी ने कहा कि आज के समय में सभी राजनीतिक दलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता का संकट है लेकिन भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में हमने यह नजरिया बदला और राजनीति में प्रमाणिकता को स्थापित किया। जबकि आम आदमी पार्टी दूस-री स्ट्रीम है, जो कहती है वो कभी नहीं करती। उन्होंने कहा कि केजरीवाल दावा करते हैं कि वह दुनिया का सबसे शानदार शिक्षा प्रबंधन दिल्ली में देंगे लेकिन इसको लेकर अदालत में तीखी टिप्पणी की जा चुकी है।

राजनाथ सिंह ने भारत की स्वदेशी क्षमताओं को विकसित करने के लिए डीआरडीओ को सराहा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ से बदलते समय की जरूरतों के अनुरूप उत्पाद तैयार करने का आह्वान किया है। उन्होंने सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक तकनीकों तथा उपकरणों से लैस करके देश की स्वदेशी क्षमताएं विकसित करने और निजी क्षेत्र के साथ सहयोग के माध्यम से रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए डीआरडीओ की भूमिका को सराहा। राजनाथ सिंह ने लंबी दूरी की हाइपरसोनिक एंटी शिप मिसाइल की डिजाइन टीम को भी सम्मानित किया। डीआरडीओ के 67वें स्थापना दिवस पर गुरुवार को राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में डीआरडीओ मुख्यालय का दौरा किया और 2025 को ह्यसुधारों का वर्षह्व घोषित किए जाने पर कहा कि डीआरडीओ निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। रक्षा मंत्री ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों और अधिकारियों से बातचीत भी की। उन्होंने वैज्ञानिकों से उन्नत देशों के उत्पादों और प्रक्रियाओं पर नजर रखने और डीआरडीओ को दुनिया के सबसे मजबूत अनुसंधान एवं विकास संगठनों में से एक बनाने के उद्देश्य से विशिष्ट तकनीक विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ की प्रत्येक प्रयोगशाला को 2-3 महत्वपूर्ण परियोजनाओं की पहचान कर उन्हें 2025 तक पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगले स्थापना वर्ष तक हमारे पास ऐसी 100 परियोजनाएं होनी चा-हिए, जो पूरी की जा चुकी हों। उन्होंने ऐसे और क्षेत्रों की पहचान करने का आग्रह किया, जो निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ा सकते हैं।

रक्षा मंत्रालय ने 21वीं सदी की चुनौतियों के बीच 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया

- भविष्य के युद्धों को जीतने के लिए रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाएं विकसित करने पर जोर

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने मौजूदा और भविष्य के सुधारों को गति देने के लिए 2025 को 'सुधारों का वर्ष' के रूप में मनाने का फैसला लिया है। इसका उद्देश्य सशस्त्र बलों को बहु-क्षेत्रीय एकीकृत संचालन में सक्षम तकनीकी रूप से उन्नत युद्ध-तैयार बल में बदलना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'सुधारों का वर्ष' सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह वर्ष रक्षा तैयारियों में अभूतपूर्व प्रगति की नींव रखने के साथ ही 21वीं सदी की चुनौतियों के बीच भारत की सुरक्षा और संप्रभुता सुनिश्चित करेगा। रक्षा मंत्री ने नए साल की पूर्व संध्या पर रक्षा मंत्रालय के सभी सचिवों के साथ विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं, सुधारों और आगे की राह की प्रगति की समीक्षा करने के लिए एक बैठक की। बैठक में 2025 में केंद्रित हस्तक्षेप के लिए व्यापक क्षेत्रों की पहचान की गई। बैठक में कहा गया कि सुधारों का उद्देश्य संयुक्तता और एकीकरण पहल को और मजबूत करने तथा एकीकृत थिएटर कमांड की स्थापना को सुगम बनाने के लिए होना चा-हए। इन सुधारों में साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, हाइपरसोनिक और रोबोटिक्स जैसी उभरती हुई तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। भविष्य के युद्धों को जीतने के लिए आवश्यक संबद्ध रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाएं भी विकसित की जानी चाहिए। बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि इन सुधारों का उद्देश्य भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाना, भविष्य की चुनौतियों के लिए तत्परता सुनिश्चित करना और वैश्विक मंच पर नवाचार और नेतृत्व को बढ़ावा देना है। तीनों सेनाएं अंतर-सेवा सहयोग और प्रशिक्षण के माध्यम से परिचालन आवश्यकताओं और संयुक्त परिचालन क्षमताओं की साझा समझ विकसित करें। अधिग्रहण प्रक्रियाओं को सरल और समय-संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है, ताकि तेज और मजबूत क्षमता विकास को सुगम बनाया जा सके। इसके अलावा रक्षा क्षेत्र और नागरिक उद्योगों के बीच प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और ज्ञान साझाकरण को सुगम बनाने और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। बैठक में फैसला लिया गया कि भारत को रक्षा उत्पादों के विश्वसनीय निर्यातक के रूप में स्थापित करने, भारतीय उद्योगों और विदेशी मूल उपकरण निमार्ताओं के बीच अनुसंधान एवं विकास और साझेदारी को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। इसके अलावा स्वदेशी क्षमताओं के माध्यम से वैश्विक मानकों को प्राप्त करने में आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के साथ ही देश की परिस्थितियों के अनुकूल आधुनिक सेनाओं से सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने पर जोर दिया गया। इस वर्ष प्रमुख पहलों में सुव्यवस्थित संचालन के लिए एकीकृत थिएटर कमांड की स्थापना, एआई और रोबोटिक्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाना, स्वदेशी रक्षा उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देना और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करना शामिल है।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक
अनिल सेठी

सह कार्यकारी – सम्पादक दिनेश शर्मा

हमारे स्वतंत्र व सत्यापित रिपोर्टर

राजकुमार कश्यप	(दिल्ली)
रहमत खान	(दिल्ली)
मुकेश गुप्ता	(दिल्ली)
अशोक कुमार	(गुरुग्राम)
राम नरेश	(कुशीनगर)
मो.शरीफ	(दिल्ली)
राज हुसैन	(कुशीनगर)
ध्रुव सेठी	(पंजाब)
विक्रमादित्य सिंह	(सीधी)
त्रिवेणी प्रसाद मिश्रा	(सीधी)
रूप सिंह	(दिल्ली)
अमित गुप्ता	(गाजियाबाद)
सावित्री सिंह	(सीधी)
निखिल सैनी	(मुजफ्फरनगर)
सत्येंद्र सैनी	(मुजफ्फरनगर)
रविकरन सिंह अलीगढ	(उ. प्र)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

61/9 अशोक नगर दिल्ली - 110018

संपर्क – 01135631400
Customer Care No.
8744884766

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹60,000/-
FULL BACK PAGE	₹90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹66,000/-
HALF PAGE INNER	₹36,000/-
HALF PAGE BACK	₹51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

www.delhicrimepress.com
info@delhicrimepress.com

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

2025

www.delhicrimepress.com
info@delhicrimepress.com

January

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

February

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	

March

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30	31					

April

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

May

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

June

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

July

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

August

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

September

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

October

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

November

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

December

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

Holidays & Observances

Jan 01	New Year's Day
Jan 14	Makar Sankranti
Jan 14	Pongal
Jan 26	Republic Day
Feb 26	Maha Shivaratri
Mar 14	Holi
Mar 30	Gudi Padava/Ugadi
Mar 31	Eid al-Fitr
Apr 06	Rama Navami
Apr 10	Mahavir Jayanti
Apr 18	Good Friday
Apr 20	Easter
May 12	Buddha Purnima
Jun 07	Bakr Id/Eid ul-Adha
Jul 06	Muharram/Ashura
Aug 15	Independence Day
Aug 16	Janmashtami
Aug 27	Ganesh Chaturthi
Sep 05	Onam & Eid-e-Milad
Sep 30	Maha Ashtami
Oct 01	Maha Navami
Oct 02	Dussehra
Oct 02	Gandhi Jayanti
Oct 20	Diwali/Deepavali
Nov 05	Guru Nanak Jayanti
Dec 25	Christmas Day

मैंने मां के कहने पर मिस इंडिया का फॉर्म भरा था : सुष्मिता

मुंबई। सुष्मिता सेन के पिता उनके मिस इंडिया में जाने से नाराज थे। वहीं मां ने उनकी फिनाले ड्रेस पर्दे के कपड़े से बनवाई थी। सुष्मिता ने कहा कि उन्होंने मां के कहने पर मिस इंडिया का फॉर्म भरा था। जब उनकी मां ने इसकी जानकारी पिता को दी, तो उन्होंने दो दिनों तक बात नहीं की। वो चाहते थे कि सुष्मिता आईपीएस ऑफिसर बनने के लिए पढ़ाई पर ध्यान दें। साल 1994 में सुष्मिता सेन मिस यूनिवर्स जीतने वाली पहली भारतीय बनीं और उनका नाम इतिहास में दर्ज हुआ। हालांकि ये सफर उनके लिए आसान नहीं था। हाल ही में सुष्मिता ने एक शो में अपने सफर के स्ट्रगल पर बात की। सुष्मिता ने बताया कि उनकी मां ने किसी तरह पिता को राजी किया। हालांकि उन्होंने शर्त रख दी कि जितना वो बजट दे रहे हैं उसी में पूरी तैयारी की जाए। सुष्मिता ने कहा, जो बजट मुझे मिला था, मैं उसमें सिर्फ सरोजनी नगर से शॉपिंग कर सकती थी। हम सड़कों पर लगने वाली हैंगर वाली दुकाने गए, वहां से मेरी मां ने बिना मुझसे पूछे कुछ कपड़े खरीदे, उसमें पर्दे का कपड़ा भी शामिल था। वो अंग्रेजी मैगजीन उठाकर बिल्डिंग के नीचे पेटीकोट सिलने वाले के पास गईं। उन्होंने एक तस्वीर दिखाकर कहा कि ये ड्रेस मेरी बेटी के लिए बना दो उसे स्टेज पर पहनना है। पेटीकोट सिलने वाले इंसान ने मेरी गाउन बनाई, जिसमें मैंने मिस इंडिया जीता। मम्मा ने सॉक्स में इलास्टिक डालकर मेरे ग्लव्स तैयार किए। सुष्मिता ने बताया कि वो मिस इंडिया के शुरूआती 4 राउंड में कुछ खास नहीं कर सकीं, जबकि ऐश्वर्या हर राउंड जीत रही थीं। उनकी मां उन्हें देखने गोवा के लिए निकल ही रही थीं कि उन्होंने कॉल कर इनकार कर दिया। सुष्मिता ने कहा कि वो सारे राउंड हार चुकी हैं, वो कहीं कॉम्पिटशन में नहीं दिखेंगी, ऐसे में उन्हें अच्छा नहीं लगेगा, अगर मां उनके सामने रहेंगी। सुष्मिता की बात मानकर उनकी मां बॉम्बे में ही रुक गईं। काम्पिटिशन में सुष्मिता टॉप-5 में पहुंचीं, लेकिन उन्हें यकीन था कि वो नहीं जीतेंगी।

साल 2024 दिल तोड़ने वाला साल साबित हुआ बालीवुड के लिए

मुंबई। बालीवुड के लिए साल 2024 दिल तोड़ने वाला साल साबित हुआ। इस साल बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई कपल्स ने अलग होने का फैसला लिया, जिससे उनके फैंस हैरान रह गए। कुछ ने सालों के रिश्ते को खत्म किया, तो कुछ ने लंबे समय तक डेटिंग के बाद ब्रेकअप किया। मशहूर संगीतकार एआर रहमान ने अपनी पत्नी सायरा बानू के साथ 29 साल की शादी को खत्म कर दिया। नवंबर 2024 में सायरा बानू ने तलाक का एलान किया। हालांकि, तलाक की वजह सामने नहीं आई। अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर ने भले ही अपने रिश्ते को पब्लिकली नहीं स्वीकारा, लेकिन दोनों को कई बार साथ देखा गया। दो साल की रिलेशनशिप के बाद इस साल उन्होंने अलग होने का फैसला लिया। अब अनन्या पांडे का नाम वाल्कर ब्लांको के साथ जोड़ा जा रहा है। उर्मिला मातोंडकर और उनके पति मोहसिन अख्तर मीर के तलाक की खबरें चर्चा में रहीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उर्मिला ने तलाक की अर्जी दे दी है। हालांकि, आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। दोनों ने 2016 में शादी की थी। मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर अर्जुन कपूर और मलाइका अरोरा ने 6 साल तक एक खुशहाल रिलेशनशिप में रहने के बाद अलग होने का फैसला किया। अर्जुन कपूर ने

अपने ब्रेकअप की पुष्टि सिंघम अगैन के प्रमोशन के दौरान की। क्रिकेटर हार्दिक पंडया और एक्ट्रेस नताशा स्टानकोविक का तलाक 2024 का सबसे चर्चित मामला रहा। चार साल की शादी के बाद दोनों अलग हो गए। ट्रोलिंग का सामना करने के बावजूद दोनों ने इस फैसले पर आगे बढ़ने का साहस दिखाया। ईशा देओल और भारत तख्तानी ने 2012 में शादी की थी। जायम रवि और उनकी पत्नी आरती ने 15 साल की शादी के बाद 2024 में तलाक का फैसला लिया। सितंबर में उनका रिश्ता आधिकारिक रूप से खत्म हो गया। 2024 में उन्होंने तलाक का फैसला लिया, जिससे उनका 12 साल पुराना रिश्ता खत्म हो गया। धनुष और एश्वर्या रजनीकांत ने 2004 में शादी की थी। 2022 में तलाक का ऐलान करने के बाद 2024 में उनका तलाक कोर्ट से फाइनल हुआ।

DELHI CRIME PRESS की सदस्यता के लाभ

इच्छुक व्यक्ति समाचार पत्र की आजीवन सदस्यता प्राप्त करने के लिए संपर्क कर सकते हैं।
सदस्यता लेने के बाद मिलने वाले फायदे।
प्रभावशाली गौरवशाली राष्ट्रीय सेवा को समर्पित रोजगार।
निशुल्क विज्ञापन (एक विजिटिंग कार्ड साइज)।
सदस्यता पहचान पत्र व पेन।
दिल्ली क्राइम भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा के स्टीकर (कर व बाइक के लिए)।
अपने क्षेत्र में अपने राज्य में राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी प्रकार की समस्या पर लेख समाचार पत्र में प्रकाशित करवाने का सुअवसर।
दिल्ली जर्नलिज्म एंड इन्वेस्टिगेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट (पत्रकारिता प्रशिक्षण संस्थान) से प्रशिक्षण प्राप्त कर पत्रकार बनने का सुअवसर

Delhi Journalism & Investigation Research Institute

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक इंद्रा द्वारा रॉयल ऑफसेट, 489 एफ.आई.ई, पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली - 110092 से मुद्रित कराकर एम 64, हरी नगर, नई दिल्ली -110064 से प्रकाशित किया गया। संपादक : इंद्रा
Customer Care No. 8744884766, For News & Advertisement 8744882188, Email- info@delhicrimepress.in, website - delhicrimepress.in